गुरुवार, 19 जून 2025

मौसम

तापमान 26 – 29
आर्द्रता 90%
सूर्योदय: 4:52 सूर्यास्त: 18:23

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि एवं विकास का एक प्रमुख स्तंभ: राष्ट्रपति मुर्मू पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, आषाढ़ कृष्णपक्ष अष्टमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : आप केवल खड़े होकर पानी को घूर कर समुद्र पार नहीं कर सकते।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

केंद्र की ओर से 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाना लोकतंत्र का मजाक : ममता

मुख्यमत्री ने भाजपा पर संविधान को बदलने की कोशिश का लगाया आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाए जाने के फैसले की आलोचना करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान का मखौल बताया। ममता ने घोषणा की कि उनकी सरकार इस दिवस को नहीं मनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने स्वयं लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया है, जबकि अब वह संवैधानिक मूल्यों को कायम रखने का दावा कर रही है। इस दिन, ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय 'नवान्न' में संवाददाताओं से कहा कि हम 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में नहीं मनाएंगे। यह पाखंड के अलावा और कुछ नहीं है। जो लोग संविधान का सम्मान नहीं करते, वे अब इसकी सुचिता का उपदेश दे रहे हैं। यह मजाक है। ममता ने केंद्र के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह से भाजपा हर दिन संविधान को बदलने और कमजोर करने की कोशिश कर रही है, उसे देखते हुए हम रोजाना 'संविधान हत्या दिवस' मना सकते हैं। ममता ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए लोकतंत्र पर उसके रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि क्या महाराष्ट्र और बिहार में निर्वाचित सरकारों को गिराना संविधान पर हमला नहीं था? मुख्यमंत्री ने भाजपा पर प्रमुख लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित कर दिया है कि लोकतंत्र के स्तंभ – चाहे वह निर्वाचन आयोग हो या मीडिया स्वतंत्र नहीं रहें। उन्होंने कहा कि हमें उन लोगों से लोकतंत्र पर व्याख्यान की जरूरत नहीं है जो हर दिन संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त कर रहे हैं।

ममता ने अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एवं पहलगाम घटना पर उठाया सवाल

ममता ने विमानन सुरक्षा के मुद्दे पर हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान हादसे का हवाला दिया और उचित जांच के कथित अभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। एक दुर्घटना हो सकती है, लेकिन अगर कोई पैटर्न है, तो उसकी जांच होनी चाहिए। अहमदाबाद दुर्घटना की जांच नौकरशाह कर रहे हैं। एक भी प्राथमिकी नहीं है। हमारे समय में, रेलवे दुर्घटनाओं की जांच एक समर्पित सुरक्षा समिति द्वारा की जाती थी। विमानन के लिए ऐसी कोई समिति क्यों नहीं है? तृणमूल अध्यक्ष ने जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले और 26 लोगों के मारे जाने का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम की घटना के बाद हमने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी और पांच सवाल उठाए थे। इनमें से एक का भी जवाब नहीं दिया गया। आतंकवाद की निंदा करने के लिए कभी कोई दिन क्यों नहीं मनाया गया?

'जिन्होंने बंगाल को हमेशा वंचित रखा, वे अब बांग्ला दिवस मनाना चाहते हैं'

उन्होंने केंद्र पर राष्ट्रीय संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि रेलवे, विमानन कंपनी – सब कुछ बेच दिया गया है। लोग इसका उचित जवाब देंगे। हमारे संघीय अधिकारों में हस्तक्षेप करना बंद करें। राज्य सरकार चुनी जाती है। राज्यपाल मनोनीत होते हैं। क्या केंद्र यह स्वीकार करेगा कि राष्ट्रपति अमित शाह को दरकिनार कर सभी निर्णय लेने लगें? उन्होंने उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव द्वारा पश्चिम बंगाल के संस्कृति विभाग को लिखे गए पत्र पर भी आपत्ति जताई, जिसमें देश भर के राजभवनों में 20 जून को 'पश्चिमबंग दिवस' मनाने के बारे में कहा गया था। ममता ने कहा कि इस तारीख को किसने चुना? भारत 15 अगस्त को स्वतंत्र हुआ था। केंद्र बंगाल के स्थापना दिवस को कैसे निर्धारित कर सकता है? यह बंगाल का अपमान है। बांग्ला दिवस एक बैसाख, बंगाली नववर्ष के दिन मनाया जाएगा, जैसा कि हमारी विधानसभा ने तय किया है। ममता ने कहा कि जिन्होंने बंगाल को हमेशा वंचित रखा, वे अब बांग्ला दिवस मनाना चाहते हैं?

ना मध्यस्थता स्वीकारी थी, ना स्वीकारेंगे : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पाकिस्तान की अपील पर रोका था ऑपरेशन सिंदूर, फोन पर प्रधानमंत्री मोदी की ट्रंप को दो टूक

ट्रंप के अमेरिका रुकने के अनुरोध को ठुकराया

कनैनिस्किस (कनाडा) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष रोकने में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को खारिज करते हुए उनसे कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद पिछले महीने सैन्य कार्रवाई रोकी थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि ट्रंप के साथ मंगलवार को फोन पर करीब 35 मिनट तक हुई बातचीत में मोदी ने साफ तौर पर कहा कि भारत मध्यस्थता स्वीकार नहीं करता है और 'न कभी स्वीकार' करेगा।

उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद के अनुरोध पर सैन्य कार्रवाई रोकने पर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत शुरू हुई थी। मिसरी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत अब आतंकवाद को ''छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखता है'' और भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। प्रधानमंत्री मोदी से टेलीफोन पर बातचीत के कुछ घंटे बाद ही बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर अपना पुराना दावा दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया था। प्रधानमंत्री मोदी ने ''पूर्व प्रतिबद्धताओं'' का हवाला देते हुए कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका आने के ट्रंप के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया।

हाई कोर्ट ने केंद्र को बंगाल में एक अगस्त से मनरेगा योजना लागू करने का दिया निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह एक अगस्त से राज्य में मनरेगा (100 दिनों की रोजगार गारंटी योजना) को फिर से लागू करे। हाई कोर्ट ने कहा कि केंद्र को यह अधिकार है कि वह पश्चिम बंगाल में योजना लागू करने के दौरान विशेष शर्तें, नियम और प्रतिबंध लागू कर सकती है, ताकि पहले जैसी गड़बड़ियों की पुनरावृत्ति न हो। कोर्ट ने यह भी गौर किया कि बीते तीन वर्षों से योजना के तहत मजदूरी नहीं दी जा रही थी, क्योंकि कुछ लाभार्थियों को भुगतान में गड़बड़ी और अनियमितताओं के आरोप लगे थे। कोर्ट ने केंद्र से कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे वास्तविक लाभार्थियों तक पैसा पहुंचे। चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी जांच जारी रख सकती है, लेकिन योजना को अब एक अगस्त से आगे के लिए लागू किया जाए। कोर्ट ने कहा कि योजना लागू करने वाले अधिकारी पहले की गलतियों से बचने के लिए विशेष शर्तें लागू करने के लिए अधिकृत हैं। हाई कोर्ट ने माना कि मनरेगा के तहत मजदूरी के भुगतान में कुछ अनियमितताएं हुई हैं, जिसे केंद्र सरकार ने उजागर किया है। जस्टिस चैताली चटर्जी की सदस्यता वाली पीठ ने यह भी बताया कि अनियमितताओं के मामले में कार्रवाई शुरू हो चुकी है, कुछ पैसे की वसूली हुई है और वह रकम राज्य की नोडल एजेंसी के बैंक खाते में जमा है। पीठ ने कहा कि इस समय अदालत की कोशिश है कि करीब तीन वर्षों से रुकी हुई योजना को फिर से शुरू कराया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने गलत तरीके से योजना का लाभ लिया, उन्हें बख्शा नहीं जा सकता।

नौसेना ने पहले पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अर्नाला' को अपने बेड़े में शामिल किया (पृष्ठ 7)

एअर इंडिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े विमानों परिचालन में 15 प्रतिशत की कटौती करेगी

मुंबई : एअर इंडिया ने बुधवार को घोषणा की कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े विमानों के परिचालन में 15 प्रतिशत की कटौती करने वाली है। यह कटौती मौजूदा समय से जुलाई के मध्य तक लागू रहेगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने एक बयान में यह भी कहा कि वह अतिरिक्त एहतियात के तौर पर बड़े बोइंग 777 विमानों की सुरक्षा जांच बढ़ाएगी। एअर इंडिया ने हाल में परिचालन संबंधी व्यवधानों का सामना किया है, पिछले छह दिनों में इसकी कम से कम 83 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एयरलाइन के अनुसार, कटौती ''अभी और 20 जून'' से लागू की जाएगी और उसके बाद ''कम से कम जुलाई के मध्य तक'' जारी रहेगी। कम उड़ान कार्यक्रम से प्रभावित यात्रियों को वैकल्पिक यात्रा विकल्प दिए जाएंगे, जिसमें बिना किसी अतिरिक्त लागत के पुनः बुकिंग या पूर्ण धनवापसी शामिल है।

अब मतदाताओं को 15 दिनों में मिलेंगे पहचान पत्र: आयोग

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि मतदाता पहचान पत्र अब 15 दिनों के भीतर मतदाताओं तक पहुंचा दिये जायेंगे। अधिकारियों ने बताया कि अब तक मतदाताओं तक मतदाता फोटो पहचान पत्र पहुंचाने में एक महीने से थोड़ा अधिक समय लगता है। आयोग ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) शुरू की गई है कि मतदाता के नए नामांकन या मौजूदा मतदाता के विवरण में बदलाव के 15 दिनों के भीतर मतदाता कार्ड वितरित किए जाएं। चुनाव निकाय ने कहा कि नई प्रणाली निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी द्वारा ईपीआईसी बनाने से लेकर डाक विभाग के माध्यम से मतदाता को कार्ड मुहैया कराने तक प्रत्येक चरण की वास्तविक समय पर 'ट्रैकिंग' सुनिश्चित करेगी। आयोग की ओर से यह भी कहा गया है कि मतदाताओं को प्रत्येक चरण में एसएमएस के माध्यम से सूचनाएं भी प्राप्त होंगी, जिससे उन्हें अपने ईपीआईसी की स्थिति के बारे में जानकारी मिलती रहेगी। इस उद्देश्य के लिए आयोग ने अपने हाल ही में शुरू किए गए 'ईसीआई नेट' मंच पर एक समर्पित आईटी मॉड्यूल पेश किया है।

सरकार 15 अगस्त से 3,000 रुपये का फास्टैग आधारित वार्षिक 'पास' शुरू करेगी : गडकरी

नयी दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार निजी वाहनों के लिए 'फास्टैग' आधारित वार्षिक 'पास' पेश करेगी, जिसकी कीमत 3,000 रुपये होगी। उन्होंने कहा कि यह 15 अगस्त से प्रभावी होगा जिससे राजमार्गों पर बिना किसी परेशानी के यात्रा करना संभव हो पाएगा। गडकरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह 'पास' चालू होने की तारीख से एक साल या 200 यात्रा के लिए (जो भी पहले हो) वैध होगा। इसे खास तौर पर गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए तैयार किया गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि वार्षिक 'पास' से देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध एवं लागत प्रभावी यात्रा संभव हो सकेगी। इसके लिए एक लिंक जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप के साथ-साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। गडकरी की इस घोषणा के बाद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जिनके पास पहले से ही 'फास्टैग' है, उन्हें नया फास्टैग खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। मंत्रालय ने कहा, '' वार्षिक 'पास' को आपके मौजूदा 'फास्टैग' पर सक्रिय किया जा सकता है, बशर्ते कि यह पात्रता मानदंडों को पूरा करता हो (अर्थात, यह वाहन के विंडशील्ड पर ठीक से चिपका हुआ हो, वैध वाहन पंजीकरण संख्या से जुड़ा हो, ब्लैकलिस्टेड न हो आदि)।'' वार्षिक 'पास' केवल राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे (एनई) टोल प्लाजा पर ही मान्य है। गडकरी ने कहा कि यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित 'टोल प्लाजा' के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को दूर करती है और एकल, किफायती लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सरल बनाती है।

भारत ने संघर्ष प्रभावित ईरान से अपने नागरिकों को निकालने के लिए शुरू किया 'ऑपरेशन सिंधु'

पहले चरण के तहत आज सुबह नयी दिल्ली पहुंचेंगे छात्र

नयी दिल्ली : इजराइल और ईरान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच भारत ने बुधवार को ईरान से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू करने की घोषणा की। भारत द्वारा निकासी अभियान शुरू करने के बीच ही, तेहरान के केशवरज स्ट्रीट क्षेत्र में मेडिकल छात्रों के छात्रावास पर हुए हमले में कुछ भारतीय छात्रों के घायल होने की खबरें आईं। दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के अधिकारियों ने कहा कि कुछ छात्रों के घायल होने के बाद, ईरानी विदेश मंत्रालय तेहरान में भारतीय मिशन के लगातार संपर्क में है। भारतीय पक्ष की ओर से इस कथित घटना पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। ईरान में 4,000 से अधिक भारतीय नागरिक रह रहे हैं और उनमें से आधे छात्र हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान में भारतीय दूतावास ने उत्तरी ईरान से 110 भारतीय छात्रों को निकाला है, तथा मंगलवार को उन्हें सुरक्षित रूप से आर्मेनिया में प्रवेश करने में सहायता की है। ये छात्र भारतीय दूतावास के मार्गदर्शन में सड़क मार्ग से आर्मेनिया की राजधानी येरेवान पहुंचे। विदेश मंत्रालय ने बताया, ये छात्र येरेवान से 18 जून को अपराह्न दो बजकर 55 मिनट पर विशेष उड़ान से रवाना हुए और ऑपरेशन सिंधु के पहले चरण के तहत 19 जून की सुबह नयी दिल्ली पहुंचेंगे। नयी दिल्ली ने ईरान और आर्मेनिया सरकारों का निकासी प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए धन्यवाद भी जताया है।

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

Dr Santosh Kumar

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर-समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों

भी नहीं रहता।

-जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

-फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त

द्वारा प्राप्त किया जाता है।

-स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान

वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar
at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089;
email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584;
or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

खामेनेई ने आत्मसमर्पण के आह्वान को खारिज किया, अमेरिकी हस्तक्षेप से पूर्ण युद्ध छिड़ने की चेतावनी दी

दुबई : इजराइल के भीषण हमलों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बुधवार को आत्मसमर्पण करने के अमेरिकी आह्वान को खारिज कर दिया और चेतावनी दी कि संघर्ष में अमेरिका की किसी भी सैन्य भागीदारी से उसे ''अपूरणीय क्षति'' होगी। सरकारी टेलीविजन पर ईरान के सर्वोच्च नेता का वीडियो बयान प्रसारित किया गया। इससे एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में ईरान से ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने का आह्वान किया था। ट्रंप ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई को मारने की ''फिलहाल कोई योजना'' नहीं है। शुरुआत में जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद को इजराइली हमलों से दूर रखा था लेकिन उन्होंने अमेरिका की अधिक भागीदारी का संकेत देते हुए कहा कि वह युद्ध विराम से कहीं अधिक 'बड़ा' चाहते हैं। अमेरिका ने इस क्षेत्र में और अधिक युद्धक विमान भी भेजे हैं। अपने वीडियो संदेश में खामेनेई ने ट्रंप के ''धमकी भरे और बेतुके बयानों'' को खारिज किया। उन्होंने कहा, ''बुद्धिमान व्यक्ति जो ईरान, उसके लोगों और उसके इतिहास को जानते हैं, वे इस राष्ट्र से कभी भी धमकी भरी भाषा में बात नहीं करते, क्योंकि ईरान आत्मसमर्पण करने वाला देश नहीं है।''

ईरान के साथ कोई बातचीत नहीं, लक्ष्य हासिल होने तक ऑपरेशन 'राइजिंग लॉयन' जारी रहेगा : इजराइल

यरूशलम : इजराइल के मंत्रियों ने बुधवार को कहा कि ईरान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी और ऑपरेशन 'राइजिंग लॉयन' तब तक जारी रहेगा, जब तक कि यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर लेता। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस्लामी राष्ट्र में सत्ता परिवर्तन की संभावना का भी संकेत दिया। काट्ज ने ईरान में संभावित सत्ता परिवर्तन की ओर संकेत करते हुए लिखा, ''तेहरान के ऊपर एक तूफान आ रहा है। सरकारी संस्थानों पर बमबारी की जा रही है और उन्हें नष्ट किया जा रहा है। निवासियों की भीड़ इलाका छोड़ रही है। तानाशाही का पतन इसी तरह होता है।''

एफएटीएफ आतंकवाद के वित्तपोषण पर करे कार्रवाई

आखिरकार भारत की चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाकिस्तान को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, हकीकत बनती नजर आ रही है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं। अब वैश्विक वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण गतिविधियों के लिए वैश्विक निगरानी संस्था है, ने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है। एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आतंकवाद के लिए फंडिग के रिकॉर्ड की निगरानी करने वाली इस संस्था ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा। उल्लेखनीय है कि पाक को वर्ष 2022 में इस सूची से हटा दिया गया था। दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन को मनाने में सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाकिस्तान को करना पड़ेगा।

यह विडंबना ही कि पश्चिमी देश अपने स्वार्थों के लिये आतंकवाद पोषण की परिभाषा ही बदल देते हैं। उन्हें मानवता के प्रति अपराध करने वाले देश अपने निहित स्वार्थों के चलते पाक-साफ नजर आने लगते हैं। भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी तब हैरान हुई जब आईएमएफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिये संतोषजनक प्रगति की है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने बेनकाब किया। भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाकिस्तान का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाकिस्तानी हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाकिस्तान आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च नहीं करेगा। धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए। भारत को निगरानी करने वाली वैश्विक संस्था को प्रोत्साहित करना चाहिए कि वह आतंकवादी हमलों को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क को खत्म करने के पाकिस्तान के दावे की हकीकत पता लगाए। अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ को इस बात पर जोर देना चाहिए कि पाकिस्तान की कार्रवाई में पारदर्शिता सुनिश्चित हो ताकि पाकिस्तान एक बार फिर से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम न दे सके।

आज का पंचांग

कोलकाता : 19 जून, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, आषाढ़ कृष्णपक्ष अष्टमी, 11:52 तक, नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 23:05 तक, योग : आयुष्मान, 05:22 तक, सूर्योदय: 4:52, सूर्यास्त: 18:23, चन्द्रोदय : 24:13, चन्द्रास्त: 12:03, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मिथुन, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 13:18 से 14:58

राशिफल

मेष : आज आपके आसपास का वातावरण सकारात्मक रहेगा। सामाजिक कार्यों में आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बच्चों के लिये कुछ उपहार ले सकते हैं।

वृष : आज कारोबार में आ रही परेशानियां दूर होंगी।अपनी जीवनशैली में परिवर्तन ला सकते हैं। किसी के प्रति मन में ईर्ष्या भाव न आने दें। विरोधी नतमस्तक रहेंगे।

मिथुन : आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मी खुश नहीं है। पूजा-पाठ में विशेष रुचि रहेगी। पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है। विद्यार्थियों को शिक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त होंगे।

कर्क : पुराने अनुभवों का लाभ उठा सकते हैं। इसके कारण आपके अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं। बातचीत के दौरान शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखें।

सिंह : आज विनम्र स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। होटल कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। पति-पत्नी के मध्य के सम्बन्ध और मधुर होंगे। बड़े बुजुर्ग लोगों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

कन्या : आज रियल एस्टेट में आप निवेश कर सकते हैं। आयात-निर्यात से धन लाभ मिलेगा। नयी ऊर्जा के साथ काम में लगे रहें। आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ समय बिताने का प्रयास करें।

तुला : आज कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी। दूसरों के मामलों में प्रतिक्रिया न दें। कारोबार में पार्टनर्स के साथ तालमेल की कमी हो सकती है। बेवजह के खर्चों पर अंकुश लगायें।

वृश्चिक : दिन की शुरुआत सुस्त रहेगी। घुटनों में दर्द उभर सकता है। कार्यक्षेत्र में बार-बार रणनीति बदलना घातक हो सकता है। काम पूरे न हों तब तक उससे पीछे न हटें।

धनु : आज कार्यक्षेत्र को लेकर मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। दाम्पत्य सम्बन्धों में प्रेम और समर्पण भाव बढ़ेगा। परिजनों के साथ यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं।

मकर : आज धन की स्थिति कमजोर रहने वाली है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। प्रेमी जन से झगड़ा हो सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं।

कुम्भ : आज कार्यक्षेत्र में सक्रियता बढ़ेगी। व्यवसाय में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को अनुबन्ध मिलने की सम्भावना बन रही है।

मीन : कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम रहेगा। आपकी प्रतिभा से परिजन व उच्च अधिकारीगण अचम्भित हो सकते हैं। लोगों से शुभ सूचना मिल सकती है। स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा।

किसान व युवाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार महिला, किसान, युवा तथा मजदूर के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में जल की पर्याप्त आपूर्ति हमारी प्राथमिकता है। शर्मा बुधवार को राजसमंद में वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री के अनुसार देश में महिला, किसान, युवा तथा मजदूर चार जातियां हैं। हमारी सरकार इन चारों जातियों के उत्थान के लिए काम कर रही है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को हम पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरी देंगे और इसी तरह 'राइजिंग राजस्थान समिट' के तहत किए गए करार से भी युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि, गोपालक क्रेडिट कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं से किसानों को राहत दी जा रही है और केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार पांच हजार गांवों को गरीबी मुक्त करेगी, इसके तहत गांवों में निवास कर रहे लोगों को आत्मनिर्भर बनाते हुए रोजगारपरक बनाया जाएगा।'' आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि प्रदेश में जल की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने दशकों से लंबित रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक काम किए हैं।

तेजस्वी का दावा, नीतीश के करीबी ही उनके बेटे के राजनीति में प्रवेश में रोड़े अटका रहे

पटना : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी सहयोगी ही सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू)सुप्रीमो (नीतीश) के बेटे निशांत के राजनीतिक करियर में रोड़े अटका रहे हैं जबकि वह सियासी पारी शुरू करने को लेकर इच्छुक हैं। तेजस्वी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि कुमार की ''भूंजा पार्टी'' में शामिल होने वाले लोग, जो मुख्यमंत्री के करीबी लोगों के लिए बोलचाल का शब्द है, अपने बच्चों को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने आरोप लगाया, ''नीतीश कुमार की 'भूंजा पार्टी' उनकी अस्वस्थ मन:स्थिति का पूरा फायदा उठा रही है। उनमें से कई ने अपने बच्चों और करीबी रिश्तेदारों को प्रभावशाली निकायों में नियुक्त करा दिया है।'' राजद नेता ने हाल के दिनों में राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार पर पक्षपात के आरोप लगा हमले तेज किये हैं।

प्रश्नपत्र लीक मामला : झारखंड उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच संबंधी याचिका पर सुनवाई स्थगित की

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने संबंधी याचिका पर सुनवाई को राज्य सरकार के अनुरोध पर बुधवार को टाल दिया। राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) मामले की जांच कर रही है और परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने का कोई निर्णायक सबूत अब तक नहीं मिला है। अदालत ने अगली सुनवाई 26 जून के लिए निर्धारित की।

बिहार : वैशाली में कुएं की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन लोगों की मौत

हाजीपुर : बिहार के वैशाली जिले में बुधवार को एक कुएं की सफाई करते समय संदिग्ध रूप से दम घुटने से तीन लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना जहांगीरपुरी इलाके में अपराह्न उस वक्त हुई, जब कुएं के अंदर सफाई के दौरान पीड़ित जहरीली गैस की चपेट में आ गए। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान बिंदेश्वर राय (50), विकेश कुमार (30) और रोहित कुमार (21) के रूप में हुई है। वैशाली के जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अमन आनंद ने कहा, ''स्थानीय पुलिस थाने के अधिकारी मौके पर पहुंचे और तुरंत सभी शव कुएं से बाहर निकाले। हो सकता है कि जहरीली गैस की चपेट में आने से वे अंदर बेहोश हो गए हों। तीनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।'' उन्होंने बताया कि इस घटना का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा।

बिहार: बेगूसराय के गंडक नदी में चार लड़के डूबे, मौत

बेगूसराय (बिहार) : बिहार के बेगूसराय जिले में बुधवार दोपहर गंडक नदी में नहाते समय चार लड़कों की डूबने से मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रौशन कुमार (12), जुड़वां भाई अविनाश कुमार और अभिषेक कुमार (17) और नीतीश कुमार (14) के रूप में हुई है। खोदावंदपुर थाना के प्रभारी मिथिलेश कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि आठ लड़के गंडक नदी के नूरूल्लाहपुर साहनी टोला घाट पर नहाने गए थे। उन्होंने बताया, ''चार लड़के सुरक्षित नदी से बाहर आ गए लेकिन शेष चार तेज बहाव में बह गए।'' स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और स्थानीय तैराकों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया।

पीलीभीत में खाली कराया गया समाजवादी पार्टी का जिला कार्यालय

पीलीभीत (उप्र) : पीलीभीत में नगर पालिका प्रशासन ने समाजवादी पार्टी (सपा) की जिला इकाई के दफ्तर को बुधवार को पुलिस की मदद से खाली करा लिया। इसी बीच, प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध कर रहे 35 सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सिटी मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर ने बताया कि नकटादाना चौराहा स्थित सपा कार्यालय कई वर्षों से अवैध रूप से संचालित हो रहा था। आधिकारिक दस्तावेजों में यह भवन नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के आवास के तौर पर दर्ज है। पूर्व में नोटिस देकर इसका आवंटन रद्द किया जा चुका था। इसे खाली करने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने 16 जून तक का समय दिया था। उन्होंने बताया कि मोहलत खत्म होने के बाद भी कार्यालय खाली नहीं करने पर बुधवार सुबह नगर पालिका के अधिकारियों की टीम सात थानों के पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और अवैध कब्जे से मुक्ति का अभियान शुरू किया गया।

लखीमपुर खीरी ने रचा जल संरक्षण का इतिहास; एक महीने में बने 1,030 तालाब

लखनऊ/लखीमपुर खीरी : उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले ने 'हर गांव तालाब' अभियान के तहत महज एक माह में 1,030 सामुदायिक तालाबों का निर्माण कर जल संरक्षण के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस उपलब्धि को 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि लखीमपुर खीरी जिले में 'हर गांव तालाब' अभियान के तहत 15 मई से 15 जून तक 1,030 सामुदायिक तालाबों का निर्माण कराया गया। 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' के निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने बुधवार को लखीमपुर खीरी में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल और मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार को प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किया। अधिकारियों के मुताबिक 'हर गांव तालाब' अभियान के तहत 700 एकड़ से अधिक भूमि को जल संरक्षण योग्य बनाया गया और हर प्रखंड में 70-80 तालाबों का निर्माण सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निर्णायक प्रमिल द्विवेदी ने इसे सामूहिक प्रयास, प्रशासनिक समर्पण और जनभागीदारी का आदर्श उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि 'हर गांव तालाब' अभियान अब सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जल सुरक्षा की दिशा में एक जनांदोलन बन चुका है।

भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर आज रांची में स्कूल बंद रहेंगे

रांची : झारखंड में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर एहतियात के तौर पर रांची जिले के सभी स्कूल बृहस्पतिवार को बंद रहेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रांची जिला प्रशासन ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। अधिसूचना में कहा गया है, ''भारी बारिश के अनुमान और छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने जिले में केजी से 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों को 19 जून को बंद रखने का आदेश जारी किया है।'' अधिसूचना के अनुसार, आदेश का पालन नहीं करने की स्थिति में संबंधित स्कूल को आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की संबंधित धाराओं के तहत जवाबदेह ठहराया जाएगा। मौसम विभाग ने बुधवार को बोकारो, धनबाद, रामगढ़, रांची, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी एवं पश्चिमी सिंहभूम सहित कई जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' (भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी) जारी किया है। बृहस्पतिवार को रांची, खूंटी, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा के लिए भी 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मॉनसून बुधवार को झारखंड के अधिकतर हिस्सों में पहुंच गया जिससे भारी वर्षा हुई, जिसके 20 जून तक जारी रहने का अनुमान है।

खराब मौसम के कारण रांची हवाई अड्डे से संचालित कई उड़ानें रद्द

उत्तर प्रदेश: ड्रोन की मदद से होगी फसलों की निगरानी, छह जिलों में शुरुआत

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन की मदद से फसलों की निगरानी की व्यवस्था की गई है। पायलट परियोजना के तहत राज्य की राजधानी लखनऊ समेत छह जिलों में ड्रोन की मदद से नैनो यूरिया और कीटनाशकों का छिड़काव शुरू किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि को आधुनिक प्रौद्योगिकी से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने यह एक और बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा, ''अब राज्य के किसान ड्रोन से अपनी फसल की निगरानी रहे हैं। पायलट परियोजना के तहत छह जिलों में ड्रोन से खेतों में नैनो यूरिया और कीटनाशकों का छिड़काव शुरू कर दिया गया है। इस पहल से एक घंटे में तीन से 12 एकड़ में छिड़काव किया जा रहा है जिससे न सिर्फ फसल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों को कम समय में अधिक लाभ मिलेगा।''

झारखंड सरकार ने 56 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया

रांची : झारखंड सरकार ने बुधवार को बड़े पैमाने पर नौकरशाही में फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 56 अधिकारियों का तबादला कर दिया। सरकारी अधिसूचना के अनुसार, इस फेरबदल में नई नियुक्तियां, अंतर-विभागीय स्थानांतरण और कई वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां आवंटित करना शामिल है। अधिसूचना के अनुसार, 2001 बैच के आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल को सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग के प्रभार के अलावा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के सचिव का भी प्रभार दिया गया है।

इंस्टाग्राम पोस्ट पर अलर्ट के आठ मिनट के भीतर महिला के घर पहुंची पुलिस, आत्महत्या से रोका

रायबरेली (उप्र) : रायबरेली की 21 वर्षीय महिला ने इंस्टाग्राम पर आत्महत्या का संकेत देते हुए एक संदेश पोस्ट किया लेकिन इस सोशल मीडिया मंच के मालिकाना हक वाली कंपनी मेटा ने तुरंत हरकत में आते हुए पुलिस को सतर्क कर दिया जिसने त्वरित कार्रवाई कर समय रहते महिला को बचा लिया। मिल एरिया पुलिस थाने के अंतर्गत देवानंदपुर नई बस्ती की निवासी और स्नातक की अंतिम वर्ष की छात्रा ने इंस्टाग्राम पर कैप्सूल की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ संदेश लिखा था, ''अलविदा... सॉरी मम्मा पापा।'' इंस्टाग्राम पर 16 जून को शाम 7:42 बजे की गई इस पोस्ट के बाद मेटा ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस के सोशल मीडिया केंद्र को तत्काल अलर्ट कर दिया। अलर्ट को तुरंत राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण तक पहुँचाया गया, जिन्होंने अधिकारियों को इंस्टाग्राम खाते से जुड़े फोन नंबर का उपयोग करके महिला के स्थान का पता लगाने का आदेश दिया।

राजस्थान: सड़क जाम करने के पुराने मामले में दो विधायकों सहित नौ लोगों को एक-एक साल की सजा

जयपुर : जयपुर की एक स्थानीय अदालत ने राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर सड़क जाम करने के 11 साल पुराने एक मामले में बुधवार को कांग्रेस के दो विधायकों सहित नौ लोगों को एक-एक साल कैद की सजा सुनाई। जयपुर की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट-19 परीक्षिता देथा ने सभी नौ आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 147 और 283 के तहत गैरकानूनी तरीके से सभा करने और सार्वजनिक मार्ग में बाधा डालने का दोषी ठहराया। यह घटना 13 अगस्त 2014 की है जब छात्र नेताओं ने जेएलएन मार्ग पर राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर करीब 20 मिनट तक सड़क जाम किया था। दोषी ठहराए गए लोगों में मुकेश भाकर, मनीष यादव, अभिषेक चौधरी, राजेश मीणा, रवि किराड़, वसीम खान, द्रोण यादव, भानु प्रताप सिंह और विद्याधर मील शामिल हैं। मुकेश भाकर और मनीष यादव वर्तमान में कांग्रेस के विधायक हैं, जबकि अभिषेक चौधरी ने भी जयपुर की झोटवाड़ा सीट से 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे।

श्रावस्ती जिले में 'अवैध' मदरसे ध्वस्त किये गये

श्रावस्ती (उप्र) : श्रावस्ती जिले में बुधवार को सरकारी जमीन पर कथित रूप से अतिक्रमण कर बनाए गए तीन मदरसों के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक अनधिकृत धार्मिक संस्थाओं के खिलाफ जारी कार्रवाई के तहत फतेहपुर बंगाई गांव में सरकारी जमीन पर स्थित दो मदरसे हटा दिये गये। अधिकारियों ने कहा कि रामपुर बस्ती में अवैध रूप से बनाए गए मदरसा गौसिया ताजुल उलूम के प्रबंधन ने स्वेच्छा से अपने ढांचे को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि इसी तरह रामपुर बस्ती के ही नगई गांव में मदरसा गौसिया फैजाने रजा शमशुल ने भी स्वेच्छा से सरकारी जमीन से अपना अवैध निर्माण हटा लिया।

वाराणसी में प्रतिष्ठित दुकानों पर चला बुलडोजर; स्थानीय लोगों में रोष

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी के लंका इलाके में सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत ध्वस्तीकरण अभियान में रविदास चौराहे पर 'पहलवान लस्सी' और 'चाची की कचौरी' जैसी प्रतिष्ठित दुकानों समेत कई दुकानों को ढहा दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान मंगलवार देर रात तक चला। इस कदम से स्थानीय निवासी खासे भावुक हैं। कई लोगों ने इस कार्रवाई को शहर की पाककला और सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को ''नष्ट'' किया जाना करार देते हुए इस पर चिंता व्यक्त की है। वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि सड़क के विस्तार का उद्देश्य लोगों की सुविधाओं बेहतर बनाना और अतिक्रमण को हटाने के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है।

वर्ग पहेली नं. 3127

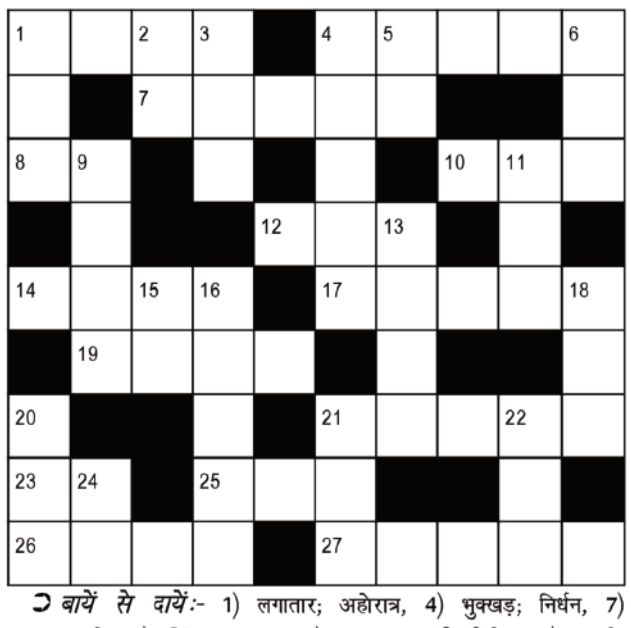

ↄ ऊपर से नीचे:- 1) भेजा, 2) रास्ता, 3) पदक, 4) उपेक्षा; ध्यान न देना, 5) बोझ, 6) पूजा; स्तुति, 9) स्वार्थ, 11) मेघ, 13) आलोचक, 15) प्रहार, 16) एक ज़नानी गहना, 18) बंद करना *(आँखें)*, 20) दान, 21) निर्झर, 22) रंग-ढंग; तौर-तरीक़ा, 24) स्वामित्व. *(उत्तर: अगले अंक में)*

ↄ बायें से दायें:- 1) लगातार; अहोरात्र, 4) भुक्खड़; निर्धन, 7) आक्रमणकारी, 8) चिंता; दुःख, 10) धनापहरण; हेराफेरी, 12) सुस्ती, 14) शक्तिवान, 17) प्रसिद्ध, 19) समृद्धि; बढ़ती, 21) ज़ोर से झटका देना, 23) प्रतीक्षा; मार्ग, 25) दूरी; यात्रा, 26) भाग्य, 27) पराजय.

पिछली पहेली का उत्तर

मा	■	दे	खा	दे	खी	■	इ	ला	ज
ल	■	खा	■	ह	ज	र	त	■	हा
दा	य	भा	ग	■	ना	■	रा	श	न
र	म	ल	■	अ	■	गु	ना	ह	■
■	र	■	■	ट	र्रा	■	■	द	म
प	थ	द	र्श	क	■	का	ज	■	ज
रे	■	म	■	ल	गा	म	■	तं	बू
शा	■	दा	ढ़	■	■	का	री	ग	र
नी	हा	र	■	उ	प	ज	■	■	न

सुडोकू-पहेली-3084

1				8		2		3
	2	4						
	8			5	4		6	
						1	5	
		2					7	
	7				1			
				1			3	
			8			5		
8		3		4				6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3083 का उत्तर

4	5	1	8	6	3	7	9	2
8	7	3	4	9	2	5	1	6
2	9	6	1	5	7	3	8	4
6	2	8	7	3	4	9	5	1
1	3	9	6	8	5	4	2	7
7	4	5	2	1	9	8	6	3
5	6	4	9	7	1	2	3	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
9	1	2	3	4	8	6	7	5

मुख्यमंत्री ममता ने तुलसी की राजनीति करने वालों पर किया हमला, पूछा...

'क्या उनलोगों को पता है कि तुलसी कितने प्रकार की होती है'

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य सचिवालय नवान्न में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिना नाम लिए भाजपा पर जुबानी हमला करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि धर्म का इस्तेमाल कर राजनीति इस्तेमाल कर जिस तरह राजनीति की जा रही है, दरअसल यह हिंदू धर्म का अपमान है। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने तुलसी के पेड़ को लेकर कथित राजनीति पर सवाल खड़े किए। लेकिन, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महेशतला में हुई हालिया घटना का सीधे तौर पर जिक्र नहीं करते हुए ही परोक्ष रूप से भाजपा पर कटाक्ष किया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ममता ने सवाल करते हुए कहा कि क्या आप जानते हैं कि तुलसी कितने प्रकार की होती है? तुलसी में लक्ष्मी और नारायण होते हैं। तुलसी हर जगह नहीं मिलती, इसका सम्मान करना पड़ता है। तुलसी श्री कृष्ण व जगन्नाथ जी को अर्पित की जाती है। लेकिन आपके फिर आप अपने घर में तुलसी का पेड़ क्यों नहीं लगाते? आप देवताओं का अपमान कर रहे हैं। यह गलत है। धार्मिक मान्यताओं के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे घर में तुलसी के 40 पौधे हैं। मैं नियमित रूप से तुलसी की पूजा करती हूं। लेकिन कुछ लोग धर्म को नहीं जानते और फिर धर्म के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। मुख्यमंत्री ने बिना कहे संकेत किया कि हाल ही में महेशतला की घटना के बाद विपक्ष के नेता तुलसी के पेड़ के सामने खड़े होकर वीडियो संदेश देते नजर आए थे। साथ ही, ममता बनर्जी ने दिल्ली को संदेश देते हुए कहा कि अगर आज दुर्गा पूजा के दौरान कोई गांव जाता है, तो क्या उसके खाली घर पर कब्जा किया जा सकता है? क्या यही हमारी संस्कृति है? अगर मैं अभी प्रधानमंत्री के घर का घेराव करने जाऊं, तो क्या आप इसे स्वीकार करेंगे? फिर, मुख्यमंत्री ने कहा कि लेकिन हम ये सब नहीं करते हैं। क्योंकि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं।

'विदेश घूम रहे हैं मोदी, शाह को बस पीएम घोषित किया जाना बचा है'

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय नेतृत्व पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि देश का प्रधानमंत्री कौन है, नरेन्द्र मोदी या अमित शाह? उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की जगह अमित शाह देश चला रहे हैं। मोदी विदेश घूम रहे हैं। उन्होंने सब कुछ शाह के हाथ में छोड़ दिया है। उन्हें बस प्रधानमंत्री घोषित किया जाना बचा है।

शिक्षक नियुक्ति : पहले दिन ही दस हजार से अधिक उम्मीदवारों ने किया आवेदन

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में नवम और दशम कक्षा के लिए विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के पहले ही दिन ऑनलाइन आवेदन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सोमवार की रात 10 बजे से शुरू हुई ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के तहत मंगलवार की शाम 6 बजे तक 10 हजार से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन दर्ज करा दिए हैं। यह जानकारी स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) के एक अधिकारी ने बुधवार की सुबह दी। सूत्रों के अनुसार, राज्य के शिक्षा विभाग ने एसएससी को 23 हजार से अधिक रिक्तियों की सूची सौंपी है, जिनमें सबसे अधिक रिक्तियां भौतिक विज्ञान (4,352 पद) और गणित (3,901 पद) में हैं। इस आधार पर आयोग ने नियुक्ति की प्रक्रिया तेज़ कर दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत बर्खास्त किए गए शिक्षकों को नई परीक्षा में बैठना अनिवार्य कर दिया गया है। अधिकांश शिक्षक इस परीक्षा में शामिल होने को तैयार हैं और उन्होंने आवेदन भी कर दिया है, जबकि कुछ शिक्षक अब भी विरोध में हैं और परीक्षा में बैठने से इनकार कर रहे हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने हिंसा प्रभावित महेशतला क्षेत्र का किया दौरा

❑ **कहा... 'यहां पूरी तरह से आतंक का माहौल है'**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुमति से बुधवार को हिंसा प्रभावित महेशतला स्थित रवींद्र नगर इलाके का दौरा किया। शुभेंदु अधिकारी ने मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत में कहा कि यहां 'पूरी तरह से आतंक का माहौल है! मै यहां किसी तरह का कोई राजनीतिक बात नहीं कर सकता क्योंकि कोर्ट का निर्देश है। शुभेंदु अधिकारी ने महेशतला में इलाके का दौरा करने के बाद पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने जानना चाहा कि धारा 163 के लागू होने का वास्तव में क्या मतलब है। यहां मैने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और प्रभावितों से बात की, लोगों ने विश्वास जताया है लेकिन जिस तरह से मेरे आने को लेकर यहां शालीनता को ताक पर रख दिया गया और दहशत फैलाने की कोशिश की गई। उक्त तरह के तमाम वीडियो मैने बनाएं है और कोर्ट में पेश करुंगा। नेचर पार्क से महेशतला तक का वीडियो मैने बनाया है। वह उस वीडियो को कलकत्ता हाई कोर्ट में जमा करेंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट को दिखाया जाना चाहिए कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन की जरूरत क्यों है, राष्ट्रपति शासन के तहत मतदान क्यों होना चाहिए। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि इलाके के लोग लोकसभा चुनाव में वोट नहीं दे पाए और आने वाले विधानसभा चुनाव में भी वोट नहीं दे पाएंगे। इसलिए स्थिति को बदलना जरूरी है। अधिकारी ने कहा कि यहां हमलावरों ने सोचा होगा कि वह लोग बच जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं है। हमने वही किया जो करने आए थे। कोई रोक नहीं सका। मैने यहां मंदिर में पूजा-अर्चना की, घायलों से मिला। मैं यहां के लोगों से कहूंगा कि उन्हें न्याय मिलेगा। शुभेंदु अधिकारी ने महेशतला के लोगों को भरोसा दिलाया कि राज्य में विपक्षी दल के नेता के तौर पर वह उनके साथ हैं और शांति बहाल करने के लिए जो भी करना होगा, करेंगे। इस बीच शुभेंदु अधिकारी को देखकर इलाके में कई जगहों पर लोगों ने चोर चोर के नारे भी लगाएं।

राज्य में पक्ष-विपक्ष को धर्म की राजनीति छोड़कर विकास की बात करनी चाहिए : नौशाद सिद्दीकी

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन सेकुलर फ्रंट (आईएसएफ) विधायक नौशाद सिद्दीकी ने बुधवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने धर्म की राजनीति छोड़कर विकास की बात करने की अपील की। विधानसभा सत्र को लेकर आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी ने कहा कि वे लोग इस सत्र में सिर्फ धर्म के नाम पर वोट लेने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ऐसा कर रहे हैं। कुछ लोगों को हिंदू वोट चाहिए, तो कुछ लोगों को किसी भी कीमत पर मुस्लिम वोट चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति छोड़कर, सभी को बंगाल के विकास के बारे में सोचना चाहिए। बंगाल में करीब आठ हजार प्राइमरी स्कूल बंद होने जा रहे हैं। यहां पर टीचर नहीं हैं। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं और फायर ब्रिगेड की हालत खराब है, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं होती। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के कोर्ट के निर्णय के बाद झड़प प्रभावित महेशतला जाने को लेकर सिद्दीकी ने कहा कि मेरा कहना यह है कि हमें कोर्ट से अनुमति क्यों लेनी पड़ती है? हम विपक्ष में हैं। अगर हम कोई छोटी सी भी विरोध रैली करते हैं, तो उसके लिए भी हमें कोर्ट जाना पड़ता है। अगर मैं कुछ गलत करता हूं तो आप मेरे खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन आंदोलन के अधिकार को मत दबाइए।

कोलकाता एयरपोर्ट को मिला धमकी भरा ईमेल

कोलकाता, समाज्ञा : भारत में विमान परिचालन से जुड़ी परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। बीते 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान के तकनीकी खराबी के चलते लौटने की घटना के बाद अब कोलकाता एयरपोर्ट को बम की धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, गत मंगलवार की शाम कोलकाता एयरपोर्ट के पब्लिक ग्रीवांस ऑफिस की मेल आईडी पर एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि टर्मिनल के एक रेस्ट-रूम की पाइपलाइन के अंदर बम लगाया गया है, जो कभी भी फट सकता है। ईमेल में दावा किया गया कि यह विस्फोट 26/11 मुंबई हमले के दोषी अजमल कसाब को फांसी दिए जाने और तमिल आतंकी संगठन एलटीटीई प्रमुख प्रभाकरण के समर्थक ए. शंकर को गिरफ्तार किए जाने के विरोध में किया जाएगा। एक अधिकारी ने बुधवार की सुबह बताया कि कोलकाता एयरपोर्ट को जो धमकी भरा मेल मिला वह 'अलेक्ज पॉल मेनन' नामक एक व्यक्ति की मेल आईडी से भेजा गया था। मेल मिलने के बाद सीआईएसएफ ने टर्मिनल के हर हिस्से डिपार्चर एरिया, स्टाफ एंट्री गेट, और कार्गो ज़ोन में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए बोर्डिंग से पहले यात्रियों के सामान की रैंडम जांच को 20 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया। इसके अलावा, विमानपत्तन के बाहर भी बिधाननगर पुलिस ने सुरक्षा जांच को कड़ा कर दिया। बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कई घंटों तक की गई छानबीन के बावजूद किसी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फिलहाल, उस आईपी एड्रेस का पता लगाया जा रहा है जिससे मेल भेजा गया था। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और मामले की गंभीरता से जांच जारी है।

बेरोजगार शिक्षकों, शिक्षेतर कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

कोलकाता, समाज्ञा : उच्चतम न्यायालय द्वारा स्कूल सेवा आयोग भर्ती-2016 को रद्द किए जाने के कारण अपनी नौकरी गंवा चुके 'बेदाग' शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी से मुलाकात की और उनकी (कर्मचारियों की) बर्खास्तगी एवं बहाली के लिए संभावित कानूनी कदमों पर सदन में विशेष चर्चा की मांग की। प्रभावित उम्मीदवारों के दो-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख सचेतक निर्मल घोष एवं भाजपा के विधायक मनोज उरांव की मौजूदगी में बिमान बनर्जी से उनके कक्ष में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में से एक सुमन बिस्वास ने कहा कि हमने करीब 40 मिनट तक बात की। अध्यक्ष ने सहानुभूतिपूर्वक हमारी बात सुनी और हमें आश्वासन दिया कि सदन में चर्चा सुनिश्चित कराने के लिए वह हरसंभव कदम उठाएंगे। बिस्वास ने कहा कि हम विधानसभा अध्यक्ष के साथ बातचीत के नतीजे से बहुत खुश हैं। इधर, विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि हां, उन्होंने (प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने) मुझसे संपर्क किया और अपनी समस्याएं बताईं। मैंने उनसे कहा है कि हम उनकी मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे।

भाजपा विधायक पर बांग्लादेश से तस्करी करने का आरोप

❑ **अशोक कीर्तनिया ने गोपाल सेठ के आरोपों को निराधार बताया**

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना की बनगांव नगर पालिका के अध्यक्ष और तृणमूल नेता गोपाल सेठ ने आरोप लगाया है कि भाजपा विधायक अशोक कीर्तनिया बांग्लादेश से तस्करी के धंधे में जुड़े हैं। विधायक अपने राजनीतिक प्रभाव और केंद्र सरकार के साथ अच्छे संबंधों का इस्तेमाल सीमा क्षेत्र में अनैतिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं। वे अवैध रूप से सुपारी और कपास का कारोबार चला रहे हैं। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि सीमा क्षेत्र से विधायक का मालवाहक वाहन भी जब्त किया गया है। हाल में डीआरआइ (राजस्व खुफिया निदेशालय) द्वारा सीमा पर आठ वाहनों में सूती रेक्स (कटा हुआ कपड़ा) जब्त किया गया था। सिर्फ सुपारी या कपास ही नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी तस्करी की आड़ में हथियारों की तस्करी की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। यह देश की सुरक्षा के खिलाफ है और इसलिए इसकी उचित जांच जरूरी है।

दूसरी ओर विधायक अशोक कीर्तनिया ने गोपाल सेठ के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि जब्त वाहनों में जो सामान है, वह मेरा नहीं है। मैं सिर्फ एक ट्रांसपोर्टर हूं। तृणमूल नेता सिर्फ सरकारी पैसे का बंदरबांट करना जानते हैं।

राज्य में कितने 'ग्रुप सी' कर्मचारी? बीएलओ नियुक्ति के लिए चुनाव आयोग ने मांगी सूची

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से 'ग्रुप सी' कर्मचारियों की संख्या की सूची मांगी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी विभाग जल्द से जल्द यह आंकड़ा आयोग को उपलब्ध कराएं, ताकि बीएलओ के रूप में नियुक्ति की प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जा सके।

सूत्रों के अनुसार, आयोग की ओर से इस सप्ताह राज्य सरकार के सभी प्रमुख विभागों को पत्र भेजा गया है, जिसमें केवल ग्रुप 'सी' कर्मचारियों की संख्या की जानकारी मांगी गई है। इन कर्मचारियों को आगामी चुनाव तक निर्वाचन प्रक्रिया से सीधे तौर पर जोड़ा जाएगा। इनका काम नया मतदाता नामांकन, नाम संशोधन, पते में बदलाव सहित मतदाता सूची से जुड़े सभी कार्यों में मदद करना होगा।

चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में कुल 80,453 बीएलओ की नियुक्ति प्रक्रिया जून माह के भीतर पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद जुलाई के पहले सप्ताह से इन सभी को प्रशिक्षण देना शुरू किया जाएगा। आयोग द्वारा 2 जुलाई से दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

इनमें से करीब 2,500 बीएलओ को दिल्ली में बैठाकर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि बाकी बीएलओ अपने-अपने जिले में ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लेंगे। इस दौरान उनके साथ ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी), जिलाधिकारी और संबंधित निर्वाचन अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। चुनाव आयोग के इस कदम को चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है।

पति की संदिग्ध मौत के बाद सनसनी, पत्नी और उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के हरिणघाटा थाना क्षेत्र में हावड़ा निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने सनसनी फैला दी है। मृतक की पहचान शियालडांगा निवासी शुभेंदु साहा के रूप में हुई है। यह घटना उस समय सामने आई जब शुभेंदु अपनी पत्नी और दो बच्चों से मिलने ससुराल गया था। सोमवार को उसके ससुराल से परिजनों को फोन कर उसकी मौत की सूचना दी गई। मृतक की पत्नी उमा देवी ने इसे आत्महत्या बताया, लेकिन शुभेंदु के परिवार ने हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि उमा देवी शादी के बाद भी अपने पुराने प्रेमी से संबंध में थी और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। दो महीने पहले वह विवाद के बाद मायके चली गई थी। आरोप है कि रविवार को ससुराल पहुंचने के बाद शुभेंदु की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शव पर कई चोटों के निशान भी मिले हैं। मृतक के परिवार ने उमा देवी और उसके मायके पक्ष के लोगों के खिलाफ हरिणघाटा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गंभीरता से जांच की जा रही है।

आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज भ्रष्टाचार मामला

संदीप घोष समेत 5 आरोपियों को 30 जून को अदालत में पेश होने का आदेश

❑ **उसी दिन चार्ज फ्रेमिंग की संभावना**

कोलकाता : कोलकाता के बहुचर्चित आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज भ्रष्टाचार मामले में एक बार फिर हलचल तेज़ हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में पूर्व प्राचार्य संदीप घोष, हाउस स्टाफ आशिष पांडे, दो ठेकेदार व व्यवसायी सुमन हाज़रा और बिप्लब सिंह, तथा अबसार अली के खिलाफ 30 जून को अलीपुर विशेष अदालत में आरोप तय (चार्ज फ्रेमिंग) किए जा सकते हैं। सभी अभियुक्तों को उसी दिन अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है।

यह मामला पिछले वर्ष उस समय सुर्खियों में आया था जब आर.जी. कर की एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के आरोपों से बंगाल में आक्रोश फैल गया था। उसी जांच के दौरान संस्थान से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं का भी पर्दाफाश हुआ और संदीप घोष समेत कई लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। हालांकि, फिलहाल सभी आरोपी ज़मानत पर बाहर हैं।

इस केस में अभी दूसरे चरण की जांच जारी है। सुनवाई के दौरान अभियुक्तों के वकील ने यह सवाल उठाया कि जब जांच पूरी नहीं हुई है, तो फिर चार्जगठन की प्रक्रिया कैसे शुरू की जा सकती है? जवाब में अदालत ने स्पष्ट किया कि 1 सितंबर 2025 तक दूसरे चरण की जांच को हर हाल में पूरा करना होगा।

अब सभी की निगाहें 30 जून पर टिकी हैं, जब पांचों आरोपियों की पेशी और चार्ज फ्रेमिंग की संभावना है। यदि आरोप तय होते हैं, तो मामले की सुनवाई प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी।

CHANGE OF NAME

I, Army No. 15450660N, Rank: NK DHYG, Name- Mukesh Kumar Burdak, permanent resident at Teh-Dantaramgarh, Gram- Udaipura, District- Sikar, P.O- Mohanpura, Rajasthan, Pin- 332406. do hereby declare that I changed my father name from BHAGWANA RAM JAT to BHAGWANA RAM Vide affidavit Before the Notary Public Govt. of India T.K Dey Alipore Police Court,, dated 17.06.2025.

CHANGE OF NAME

I, service No.22051204W, Rank-Sep,Trade -DVRMT, Name- Diwakar Yadav, permanent resident at Vill. Mahuie, P.O.-Tameshwarnath P.S.-Khalilabad, District- Sant Kabir Nagar, State: U.P, Pin-272175, India. do hereby declare that I changed my wife name from KM GUNJAN YADAV to GUNJAN YADAV Vide affidavit Before the Notary Public Govt. of India T.K Dey Alipore Police Court, dated 17.06.2025.

CHANGE OF NAME

I, Army no. 15450660N, Rank: NK-DHYG, Name- Mukesh Kumar Burdak, permanent resident at Teh-Dantaramgarh, Gram- Udaipura, District- Sikar, P.O- Mohanpura, Rajasthan, Pin- 332406. do hereby declare that I changed my mother name from Shringari to Shrangari Devi Vide affidavit Before the Notary Public Govt. of India T.K Dey Alipore Police Court, dated 17.06.2025.

NAME CHANGE

I, RAJO PANDIT (old name) S/O LATE PRASADI PANDIT, residing at H/D27/1A, BAGUI PARA, BAGUIATI, ASWINI NAGAR, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL, PIN-700159, India, have changed my name and shall henceforth be known as RAJU PANDIT (new name), as declared before the notary public at Kolkata, vide an affidavit dated 18/06/2025. RAJU PANDIT (new name) and RAJO PANDIT (old name) both are same and one identical person.

I Kanai Mallick S/o Provash Chandra Mallick R/o 223,R.R Plot, Anandapur, post office- E K T, Kolkata, West Bengal-700107, have changed my name to Prosanta Mallick.

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एमसी_ईएनएचएम_बॉयो-गैस प्लांट_एसडीएएच, दिनांक 13.06.2025; वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, कमरा सं. 56, पहली मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निर्धारित निविदा प्रपत्र पर एकल पैकेट प्रणाली में मुहरबंद खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/विवरण:** सियालदह रेलवे स्टेशन (बी.आर. सिंह अस्पताल परिसर) में बॉयो-गैस संयंत्र की स्थापना एवं चालू करने के साथ 1 वर्ष के लिए संचालन एवं रखरखाव कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 42,38,576; **बयाना राशि :** रु. 84,800; **समापन अवधि :** 18 महीने। **बोली शुरू होने की तारीख :** 21.06.2025; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 05.07.2025 को 15.00 बजे। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय :** 05.07.2025 को 15.15 बजे। निविदा दस्तावेज तथा कोई भी संशोधन, यदि संयोजित किया जाता है, के साथ ई-निविदा सूचना एवं कार्य के लिए पात्रता के मानदंड www.ireps.gov.in (वेबसाइट यूआरएल) पर देखा एवं वहां से डाउनलोड किया जा सकता है। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(SDAH-89/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत विभाग (कर्षण-वितरण शाखा) जबलपुर

ई- निविदा सूचना

एन.आई.टी नं. जबल-टीआरडी-निविदा-2024-34R1 दिनांक 17.06.2025

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण-वितरण/पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित करते हैं। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेन्स (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वयं के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हों) आई.ई.नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए। कार्य का नाम – (क) जबलपुर डिवीजन में डबल एग्जिट के साथ कछपुरा में अतिरिक्त लोडिंग/अनलोडिंग लाइन के लिए टीआरडी/ओएचई कार्य। (ख) जबलपुर मंडल के बरगवान (बीआरआरवी) स्टेशन पर नई लोडिंग लाइन, शंटिंग नेक और डबल एग्जिट का प्रावधान। कार्य स्थल– जबलपुर मण्डल, कार्य की अवधि– 12 माह, कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू) रुपये 2,57,56,451.94/– (रुपये दो करोड़ सत्तावन लाख छप्पन हजार चार सौ इक्यावन और चौरानवे पैसे मात्र), बयाना राशि रूपये– 2,78,800.00 /–, निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय– 16.07.2025 15:00 बजे/ 16.07.2025 15:30 बजे, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे बेब साईट– https/www.ireps.gov.in निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई आर ई पी एस की माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑन लाइन निविदा करें। निविदाकताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की व्यवसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम पात्रता मान दण्ड टेण्डर फार्म के अनुसार और ज्वाइन्ट वेन्चर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा।

(हस्ता.)

कृते वरि.मं.वि.इंजी./क.वि.,पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना सं. ईएल-एसडीएएच-कॉन-जीईएनएल-171-2025-एनआईटी, दिनांक 17.06.2025; उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, सियालदह, आरएमएस बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, कैजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं समुचित अनुभव के साथ विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले अनुभवी वैद्युतिक ठेकेदारों, साझेदारी प्रतिष्ठानों इत्यादि से ई-निविदा प्रक्रिया के जरिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती है : **निविदा सं.: ईएल-एसडीएएच-कॉन-जीईएनएल-171-2025; कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में (क) बीएमएफ/बजबज में सम्पूर्ण बोगी फ्रेम असेम्बली के लिए शेड के विस्तार तथा (ख) माइल 5बी तथा न्यू अलीपुर (1.67 किमी) के बीच द्वितीय पैसेंजर लाइन के संबंध में टॉलीगंज स्टेशन में पैदल भूमार्ग के निर्माण के लिए विद्युतीय (जी) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 2,17,46,800। **बयाना राशि :** रु. 2,58,700। **निविदा दस्तावेज की कीमत :** शून्य। **समापन अवधि:** 12 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय :** 18.07.2025 को 12.30 बजे। निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं तथा ऊपर उल्लेखित निविदा बंद होने की तारीख एवं समय को अथवा उससे पहले इस निविदा के तहत ऊपर उल्लेखित निविदा दस्तावेज की कीमत तथा बयाना राशि का ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत वहां बोलियां जमा की जा सकती है। इस निविदा के तहत ऊपर उल्लेखित सभी दस्तावेज के साथ सभी पहलुओं में परिपूर्ण निविदाएं www.ireps.gov.in पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी संशोधनी (यदि कोई हो) तथा अन्य मूल जानकारियां www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा सूचना का विस्तृत विवरण उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण, सियालदह, तीसरी मंजिल, आरएमएस बिल्डिंग, कैजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 के सूचना पट्ट पर भी देखे जा सकते है। (CON-13/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, उप मु.सि.एवं दू.इं./सिग्नल, मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा खुली निविदा के प्रतिपक्ष ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा खोलने की तिथि **10.07.2025 को 15.00 बजे** है। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस प्रकार प्राप्त कोई भी मैन्युअल प्रस्ताव मान्य नहीं है। **कार्य का नाम :** मेट्रो रेलवे, कोलकाता की ब्लू लाइन में पावर सप्लाई इक्विपमेंट और बैटरियों का पुनर्वासन। **निविदा मूल्य :** रु.44,03,470.20, **बयाना राशि :** रु. 88,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु.0.00, **कार्य समाप्ति अवधि :** 06 माह। निविदा वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट अवश्य रहे एवं आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर पंजीकृत रहे। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा प्रणाली में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात अवश्य अपलोड किए जाएं।

खुली निविदा सूचना सं.: सं व दू/कार्य/21-2025

हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

फसलों का उचित मूल्य न मिलने से नाराज किसानों ने सड़क पर सब्जियां फेंककर किया विरोध प्रदर्शन

मुर्शिदाबाद : जिले में सब्जियों का वाजिब दाम न मिलने से नाराज किसानों ने बुधवार की सुबह हरिहरपाड़ा-बहरामपुर राज्य राजमार्ग पर परवल, खीरा और लाफा साग सड़क पर फेंककर अपना विरोध दर्ज कराया। किसानों का कहना है कि मंडियों में उनकी उपज कौड़ियों के दाम खरीदी जा रही है, जिससे लागत निकालना भी नामुमकिन हो गया है। किसानों ने बताया कि वर्तमान में परवल का थोक बाजार मूल्य महज 2 रुपये प्रति किलो, लाफा साग 2 रुपये किलो और खीरा 3 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। स्थिति यह है कि व्यापारी परवल तक खरीदने को तैयार नहीं हैं।

ऐसी दशा में उनका कहना है कि वे अपनी फसल लेकर जाएं भी तो कहां? इस स्थिति से नाराज होकर हरिहरपाड़ा थाना अंतर्गत रायपुर और खिदिरपुर इलाके के कई किसानों ने मियार बागान हाट और राजमार्ग पर ही परवल, खीरा और अन्य सब्जियां फेंक दीं। किसानों का कहना है कि इतनी कम कीमत में न खाद का पैसा निकल रहा है, न बीज का, न मजदूरी का। किसानों की मांग है कि राज्य सरकार तुरंत दखल दे और सब्जियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था करे। उनका कहना है कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो यह आंदोलन पूरे जिले में फैल सकता है। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और किसानों को समझाने का प्रयास किया, मगर किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे। उन्होंने साफ कर दिया है कि जब तक सरकार फसलों के वाजिब दाम सुनिश्चित करने की घोषणा नहीं करती, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। किसानों ने यह भी कहा कि जब धान, गेहूं जैसी फसलों के लिए एमएसपी है तो सब्जियों के लिए भी यह अनिवार्य किया जाए। उन्होंने आशंका जताई कि यदि सरकार ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया तो सब्जी उत्पादक किसान दिवालिया हो जाएंगे और गांव छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे।

कालियाचक में हथियारों का जखीरा बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

मालदह : मालदह जिले के कालियाचक इलाके में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। इस दौरान एक शातिर हथियार डीलर को भी गिरफ्तार किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कालियाचक थाना क्षेत्र के लिचुबागान, ईदगाहपारा और माजमपुर इलाके में छापेमारी की गई। इस दौरान मोनिरुल इस्लाम नामक युवक को दबोचा गया। उसके पास से छह आग्नेयास्त्र और कम से कम 35 राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार मोनिरुल इस्लाम बालूग्राम, माजमपुर का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस को संदेह है कि यह हथियारों का जखीरा

किसी बड़े अपराध या तस्करी के मकसद से जमा किया गया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। आरोपी मोनिरुल को सोमवार को मालदह जिला न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट से आरोपी की कस्टडी की मांग की है ताकि उससे आगे की गहन पूछताछ की जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आखिर इन हथियारों को कहाँ और किस उद्देश्य से लाया गया था।

माध्यमिक की स्क्रूटिनी और रिव्यू का परिणाम घोषित, टॉप 10 में शामिल हुए 9 नए छात्र

कोलकाता : पश्चिम बंगाल बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा 2024 के स्क्रूटिनी और रिव्यू का परिणाम बुधवार को घोषित किया गया। इस नए परिणाम के साथ मेरिट सूची में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब टॉप 10 में कुल 75 छात्र शामिल हो गए हैं, जबकि 2 मई को घोषित मुख्य परिणाम में यह संख्या 66 थी। स्क्रूटिनी और रिव्यू के बाद 9 नए छात्र टॉप 10 में स्थान बनाने में सफल हुए हैं। 11वें स्थान पर रहे पांच छात्र भी अब शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। बांकुड़ा के देवजीत लाहा और पूर्व मेदिनीपुर के अंतरीश मैती अब संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं। दक्षिण दिनाजपुर के चयन राय नौवें स्थान पर, जबकि कोचबिहार की अनन्या मजूमदार और दक्षिण 24 परगना की प्रेरणा वैद्य अब 10वें स्थान पर पहुंच चुकी हैं।

इसके अलावा 12वें स्थान से नौवें स्थान पर पहुंचे हैं रूपम दीक्षित, जबकि मालदा के प्रज्ञान देवनाथ और सायंदीप घोष 12वें से 10वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं 13वें स्थान पर रहे सौरभ करण भी अब 10वें स्थान पर आ गए हैं।

पूर्व मेदिनीपुर के सुप्रतिक मन्ना, जो पहले चौथे स्थान पर थे, अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और उनके अंक बढ़कर 694 हो गए हैं। मालदा के सृजन प्रमाणिक और बांकुड़ा के सौप्तिक मुखोपाध्याय आठवें से सातवें स्थान पर और बीरभूम के सम्यक दास 10वें से नौवें स्थान पर आ गए हैं।

स्क्रूटिनी के बाद कुल 1,060 छात्रों और रिव्यू के बाद 1,182 छात्रों के अंकों में बदलाव हुआ है। इस नए परिणाम के बाद मेरिट सूची में व्यापक फेरबदल देखा गया है।

करियर, नवाचार और प्रेरणा से सजी कोलकाता में जेआईएस एजुकेशन एक्सपो 2025 की शुरुआत

कोलकाता, समाज्ञा

कोलकाता के धानो धान्यो ऑडिटोरियम में जेआईएस एजुकेशन एक्सपो 2025 की शुरुआत बुधवार को उत्साह और प्रेरणा के माहौल में हुई। यह दो दिवसीय शैक्षिक आयोजन छात्रों को करियर निर्माण, नवाचार और शिक्षण के भविष्य से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। एक्सपो का उद्घाटन जेआईएस ग्रुप के निदेशक सरदार सिमरप्रीत सिंह और प्रसिद्ध गायक व इंडियन आइडल फेम बिस्वरूप बनर्जी सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में जेआईएस ग्रुप की ओर से

संचालित विभिन्न संस्थानों के डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक और पीएचडी कोर्सेस की जानकारी दी गई। एक्सपो के पहले दिन का विशेष आकर्षण रहा कोलकाता के 40 से अधिक स्कूलों के 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों का सम्मान। इन विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया, जिससे हजारों उपस्थित छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिली। इसके साथ ही, निःशुल्क काउंसलिंग सेशन्स भी आयोजित किए गए।

जेआईएस ग्रुप के निदेशक सरदार सिमरप्रीत सिंह ने कहा, जेआईएस एजुकेशन एक्सपो केवल एक आयोजन नहीं बल्कि एक मिशन है - जो युवाओं को दिशा देने, प्रतिभा को पहचानने और अवसरों तक पहुंच बनाने का माध्यम बनता है। इस मंच से हम भविष्य के लीडर्स और बदलाव के वाहकों को आकार देने का प्रयास करते हैं।

होटल में युवती से दुष्कर्म का आरोप, मेट्रिमोनी साइट पर हुई थी पहचान, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में मेट्रिमोनी साइट पर शुरू हुई एक पहचान ने दर्दनाक रूप ले लिया जब एक युवती ने होटल में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का गंभीर आरोप लगाया। घटना में आरोपी टैटू आर्टिस्ट को जोड़ासांको थाने की पुलिस ने हावड़ा से गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मामले की शुरुआत तब हुई जब शिकायतकर्ता युवती की आरोपी शुभम मंडल से मेट्रिमोनी वेबसाइट के जरिए पहचान हुई। शुभम हावड़ा का निवासी है और पेशे से टैटू आर्टिस्ट है। दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और फिर मिलने का निर्णय लिया गया। पहली मुलाकात सियालदह स्टेशन पर हुई। वहां से आरोपी ने युवती को बातचीत के

बहाने एम.जी. रोड स्थित एक होटल में चलने का प्रस्ताव दिया, जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया। युवती का आरोप है कि होटल के कमरे में पहुंचने के बाद युवक ने दरवाजा बंद कर लिया और फिर बातचीत की आड़ में अश्लील हरकतें करते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने तुरंत जोड़ासांको थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की और आरोपी युवक को हावड़ा से गिरफ्तार कर लिया।

नाबालिका से दुष्कर्म और हत्या के आरोपित की ग्रामीणों ने पीट-पीटकर की हत्या

बांकुड़ा : जिले के पात्रसायर थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां आठ साल की एक नाबालिका से दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई। आरोपित युवक को ग्रामीणों ने रंगेहाथ पकड़ लिया और उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बांकुड़ा के जामकुड़ी पंचायत इलाके की है। मंगलवार की शाम पीड़िता बारिश के बाद घर से बाहर निकली थी और तभी पड़ोस में रहने वाला युवक लालुप्रसाद

लोहार उसे बहला-फुसलाकर पास के जंगल में ले गया। वहां उसने बच्ची से कथित तौर पर दुष्कर्म किया और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। आरोप है कि हत्या के बाद वह शव को छिपाने के लिए गड्ढा खोद रहा था। स्थानीय लोगों ने आरोपित को मौके से भागने की कोशिश करते हुए देख लिया और तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान जब सारी सच्चाई सामने आई, तो गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपित को बुरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। खबर मिलते ही पात्रसायर थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस ने दुष्कर्म-हत्या और आरोपित की मौत दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

कोलकाता में ट्रेनिंग पर आए ओडिशा पुलिस कर्मी की रहस्यमयी मौत, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के गड़ियाहाट इलाके में मंगलवार रात एक ओडिशा पुलिसकर्मी की संदिग्ध हालात में मौत से हड़कंप मच गया। हिंदुस्तान पार्क स्थित किराए के मकान में उसका शव फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान ओडिशा के क्योंझर जिले के रहने वाले सुब्रत कुमार साहू के रूप में हुई है, जो प्रशिक्षण के लिए हाल ही में कोलकाता आए थे और अपने सहकर्मियों के साथ रह रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर गड़ियाहाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को सुब्रत काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं

निकले, जिससे उनके साथियों को शक हुआ। जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो सुब्रत फंदे से लटके मिले। सहकर्मियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस द्वारा सभी से पूछताछ कर मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हावड़ा मंडल ने तालित स्टेशन पर ट्रैक मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक किया संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल ने तालित स्टेशन के अधीन अप लाइन संख्या 2 पर एक महत्वपूर्ण ट्रैक रखरखाव कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया है। 16 जून को किए गए इस कार्य में थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइंट की स्थापना की गई, जो उच्च तापीय परिवर्तन और गतिशील भार को सहन करने की क्षमता रखता है। यात्री सुरक्षा और परिचालन सुगमता को ध्यान में रखते हुए 01:50 बजे से 04:50 बजे तक तीन घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया था। इस रखरखाव कार्य के दौरान थिक वेब के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए कुल 11 मानक स्लीपर बिछाए गए, एक नया टीडबल्यूएस एसईजे

स्थापित किया गया, तथा 6.70 मीटर लंबाई की दो रेलों को बदला गया ताकि संरचनात्मक मजबूती बनाए रखी जा सके और ट्रेनों का सुगम संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस कार्य में दो कुशल ब्लैकस्मिथ टीमों सहित कुल 20 श्रमिकों को तैनात किया गया था। इन सभी ने बेहतरीन समन्वय और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य को पूर्ण किया। यह रखरखाव कार्य पूर्व रेलवे की सुरक्षित और निर्बाध ट्रेन संचालन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस परियोजना की सफलतापूर्वक पूर्णता पूर्व रेलवे की आधुनिकता और सुरक्षा उन्नयन की दिशा में सतत प्रयासों का स्पष्ट प्रमाण है।

अमेजन फ्रेश के मिलेट स्टोर के साथ अपनाएं सेहतमंद जीवनशैली और पावर पैक्ड भोजन

कोलकाता, समाज्ञा : अब रोजमर्रा की थाली में मिलेट्स को शामिल करना और भी आसान हो गया है, क्योंकि अमेजन फ्रेश ने एक खास क्यूरेटेड मिलेट स्टोर लॉन्च किया है, जिसमें स्लर्प फार्म, द बेटर फ्लोर, टाटा सोलफुल, मिल्ले और ऑर्गेनिक तत्व जैसे प्रमुख ब्रांडों के हेल्दी विकल्प उपलब्ध हैं। ये सुपरफूड्स - प्रोटीन, फाइबर और प्राकृतिक प्रीबायोटिक्स से भरपूर पाचन को सुधारते हैं और लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराते हैं, जिससे ये वजन संतुलन और हेल्थ के लिए बेहतरीन विकल्प बनते जा रहे हैं। यह स्टोर उन उपभोक्ताओं के लिए आदर्श है जो ग्लूटन-फ्री, बिना मैदा और बिना प्रिजर्वेटिव्स वाले विकल्पों की तलाश में हैं। चाहे दिन की शुरुआत हो बनाना पैनकेक मिक्स से या हो इंस्टेंट मिलेट नूडल्स या फिर बार्नयार्ड मिलेट से बनी खिचड़ी - अमेजन फ्रेश के इस स्टोर में हर जरूरत के अनुसार हेल्दी और स्वादिष्ट विकल्प मिल रहे हैं, वो भी सुविधाजनक स्लॉटेड डिलीवरी और किफायती कीमतों के साथ।

संदीप भूतोड़िया विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता के ट्रस्टी बोर्ड के सदस्य नामांकित

कोलकाता/नयी दिल्ली : जाने माने सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यकर्ता संदीप भूतोड़िया को विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता के ट्रस्टी बोर्ड का सदस्य नामांकित किया गया है। विक्टोरिया मेमोरियल हॉल के सचिव और क्यूरेटर अनुराग कुमार के मुताबिक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें तीन वर्षों के लिए विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता ट्रस्टी बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है। वे भारतीय संग्रहालय के भी ट्रस्टी हैं। भूतोड़िया ने अपने नामांकन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विक्टोरिया मेमोरियल हॉल बंगाल की मानसिकता में कला, वास्तुकला और संस्कृति के प्रतीक के रूप में समाया हुआ है। मुझे पश्चिम बंगाल और देश की एक समृद्ध विरासत के प्रतीक से जुड़ने पर गर्व है। कला और वास्तुकला के एक स्थायी प्रतीक विक्टोरिया मेमोरियल हॉल के सांस्कृतिक योगदान का मैं प्रशंसक हूं और इससे जुड़ना और इसमें योगदान देना मेरे लिए सम्मान की बात है।

पूर्व रेलवे जल्द शुरू करेगा किफायती एसी लोकल ट्रेन सेवा, सियालदह-राणाघाट रूट पर पहली रेक तैयार

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे जल्द ही एसी ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू करने जा रहा है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में निर्मित एक अत्याधुनिक एसी ईएमयू रेक पूर्व रेलवे को प्राप्त हो चुकी है और उसे सियालदह मंडल में परीक्षण एवं ट्रायल रन के लिए भेजा गया है। जल्द ही एक और एसी ईएमयू रेक पूर्व रेलवे के क्षेत्र में आने वाला है। मौजूदा उपयोग के आधार पर तय किया गया है कि यह नई एसी लोकल ट्रेन सियालदह-राणाघाट मार्ग पर चलाई जाएगी। रेलवे ने किराया भी यात्रियों की पहुंच में रखने के लिए तर्कसंगत बनाया है - 10 किमी तक का सफर 29/- में और 11-15 किमी का सफर 37/- में तय किया गया है। इसी अनुपात में मासिक सीजन टिकट की दरें क्रमशः 590/- और 780/- होंगी। इस एसी रेक में कुल 12 डिब्बे होंगे, जिनमें स्टेनलेस स्टील बॉडी, चौड़े वेस्टिब्यूल, बेहतर वेंटिलेशन, सीसीटीवी निगरानी, ऑटोमैटिक स्लाइडिंग दरवाजे, पैनोरमिक विंडो और जीपीएस आधारित एलईडी सूचना प्रणाली जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। इन डिब्बों में कुल 1100 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी। पूर्व रेलवे की यह नई पहल यात्रियों को एक आरामदायक, सुरक्षित और किफायती यात्रा अनुभव प्रदान करेगी और उपनगरीय परिवहन में एक नया अध्याय जोड़ेगी।

न्यूज अपडेट

किंगफिशर प्रीमियम पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर बना अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन का क्षेत्रीय प्रायोजक

कोलकाता, समाज्ञा : किंगफिशर प्रीमियम पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, जो यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड (हेनेकेन ग्रुप का हिस्सा) द्वारा निर्मित है, ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ भारत में क्षेत्रीय प्रायोजक के रूप में साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग की आधिकारिक घोषणा ब्यूनस आयर्स के रिवर प्लेट स्टेडियम में एक भव्य समारोह में की गई, जिसमें किंगफिशर की ओर से मोहित रैना और एएफए के वाणिज्यिक प्रमुख लिआंड्रो पीटरसन उपस्थित थे। यह साझेदारी पश्चिम बंगाल, केरल, गोवा और पूर्वोत्तर भारत जैसे फुटबॉल प्रेमी क्षेत्रों में ब्रांड की पहुंच बढ़ाने का प्रयास है। सहयोग के तहत ऑन-ग्राउंड और डिजिटल अभियान, फुटबॉल से जुड़ी गतिविधियों और इमर्सिव अनुभवों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम अक्टूबर 2025 में केरल में एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। यह सहयोग खेल, समुदाय और ब्रांड को एक मंच पर लाने का सशक्त उदाहरण है।

फुली लोडेड 5जी एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस के लिए आईकू ने लॉन्च किया आईकू ज़ेड10 लाइट 5जी

नई दिल्ली/कोलकाता : आईकू ने अपना लेटेस्ट ऑफरिंग - आईकू ज़ेड10 लाइट 5जी लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन खास तौर पर आज के यूथ को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है - कॉलेज स्टूडेंट्स से लेकर उन यूज़र्स तक जो एक किफायती 5जी स्मार्टफोन में अपग्रेड करना चाहते हैं। यह डिवाइस बिंज-वॉचिंग, सोशल स्क्रॉलिंग और ऑनलाइन लेक्चर्स जैसे एक्टिविटीज़ के लिए फुली लोडेड एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस देता है। स्टाइलिश डिज़ाइन में फंक्शनल फीचर्स के साथ, ज़ेड10 लाइट 5जी एक स्मार्ट और रिलायबल कंपैनियन बनता है। सेगमेंट की सबसे बड़ी 6000एमएएच बैटरी के साथ आने वाला यह डिवाइस नॉन-स्टॉप एंटरटेनमेंट के लिए तैयार है। आईकू के सीईओ निपुण मार्या ने कहा,आईकू ज़ेड10 लाइट के साथ हमारा उद्देश्य एक ऐसा फोन बनाना था जो युवा भारत की लाइफस्टाइल को समझे। चाहे वो बिंज-वॉचिंग हो या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना - यह 5जी स्मार्टफोन हर जगह साथ निभाएगा।

एक्सिस बैंक ने बोट के नए स्मार्टवॉच 'वेव फॉर्च्यून' पर सहज भुगतान के लिए की इस वेयरेबल ब्रांड और मास्टरकार्ड के साथ भागीदारी

कोलकाता : भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने आज घोषणा की कि उसने भारत के नंबर 1 वेयरेबल ब्रांड, बोट (बोट) और भुगतान के लिहाज़ से अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी, मास्टरकार्ड के साथ गठजोड़ किया है। इसके तहत बोट के नए लॉन्च किये गए अत्याधुनिक स्मार्टवॉच 'वेव फॉर्च्यून' के लिए टैप एंड पे एनएफसी एनेबल्ड भुगतान को सहजता से जोड़ा जाएगा । वेव फॉर्च्यून को 3,299 (विशेष ऑफर के दौरान 2,599) की प्रतिस्पर्धी कीमत के साथ उपयोगकर्ताओं को सुविधा, सुरक्षा और स्मार्टवॉच के बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एक्सिस बैंक की प्रेसिडेंट हेड - कार्ड्स, पेमेंट्स और वेल्थ मैनेजमेंट, अर्निका दीक्षित ने इस साझेदारी के बारे में अपनी टिप्पणी में कहा, एक्सिस बैंक में, हम ग्राहकों को नए तरह की और सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करने के लिए नवोन्मेष-आधारित साझेदारी मॉडल पर लगातार प्रयास कर रहे हैं।

राज्य सरकार ने डीए के लिए नीलामी से जुटाया 4000 करोड़

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार को जरूरी पूंजी मुहैया कराने के लिए नवान्न ने एक और कदम आगे बढ़ाया है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि गत मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य सरकार प्रतिभूतियों (एसजीएस) की नीलामी में 22 साल के लिए कुल 2000 करोड़ रुपये का कर्ज जुटाया है। इस कर्ज के लिए औसत ब्याज दर 7.1096 फीसदी तय की गई है। इससे पहले रिजर्व बैंक ने जून की शुरुआत में एक और नीलामी की थी। 3 जून को हुई उस नीलामी में पश्चिम बंगाल सरकार ने 20 साल के बॉन्ड के जरिए 2000 करोड़ रुपये और जुटाए थे। कुल मिलाकर नवान्न ने कर्ज और डिबेंचर मिलाकर जून में कुल 4000 करोड़ रुपये जुटाए। अब मजे की बात यह है कि क्या ममता बनर्जी ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लंबित डीए (महंगाई भत्ता) का निपटान करने के लिए जल्दबाजी में कर्ज लिया। राज्य सरकार कर्मचारी संघ के अनुसार, उनका बकाया डीए 40,000 करोड़ रुपए है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि जून तक चकाया डीए का 25 प्रतिशत भुगतान किया जाना चाहिए। यानी राज्य के खजाने पर 10,000 करोड रुपए का बोझ है। रिजर्व बैंक ने सिर्फ इतना कहा है कि पश्चिम बंगाल सरकार के इस दीर्घकालिक ऋण (एसजीएस 2047) के लिए कुल 46 प्रतिस्पर्धी बोलियां प्रस्तुत की गई थीं। जिसका वित्तीय मूल्य करीब 3067 करोड़ रुपये था। उनमें से 17 जून को हुई नीलामी में सिर्फ 8 बोलियां स्वीकार की गई, जिनके जरिए 1983.97 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। 3 बोलियों को आंशिक आवंटन प्राप्त हुआ। वहीं, दूसरी ओर, 5 गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां प्रस्तुत की गई, जिनकी राशि 16.03 करोड़ रुपये थी। सभी गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां स्वीकार कर ली गई।

मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान से भी ज्यादा अत्याचार : गोपाल राय

कोलकाता, समाज्ञा : विश्व हिंदू रक्षा परिषद द्वारा आयोजित सनातन जन आक्रोश यात्रा यूपी, बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल पहुंची जहां मुर्शिदाबाद जिले में प्रवेश से रोक दिया गया। इस पर, परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि यह राज्य सरकार की तानाशाही और हिंदू विरोधी सोच का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार हिंदू समाज की आवाज को जानबूझकर दबा रही है। बुधवार को कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में बताते हुए विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हिंदू समाज डर और आतंक के साए में जीने को मजबूर है। कट्टरपंथी जेहादी ताकतें वहां खुलेआम आतंक फैलाते हैं और पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक बना

रहता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब हिंदू अपनी पीड़ा लेकर सड़कों पर निकलते हैं तो सरकार उन्हें ही रोकती है और वहां हिंदुओं के हालात पाकिस्तान से भी ज्यादा खराब है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह लड़ाई किसी पार्टी के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंदू समाज के अस्तित्व और सम्मान की रक्षा के लिए है और अब समय आ गया है कि बंगाल का हिंदू समाज इस सनातन विरोधी सरकार को उखाड़ फेंके और सनातन धर्म व राष्ट्रवादी विचारधारा के पक्ष में खड़ा हो। उक्त अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री कृष्णा पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष शिखर गुप्ता, प्रदेश संगठन मंत्री हिमांशु धवल, पंकज यादव, राघवेंद्र राय आदि लोग मौजूद रहें। इस अवसर पर गणेश जायसवाल को पश्चिम बंगाल का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

ताजपुर के समुद्र से लापता युवक का शव बरामद

पूर्व मेदिनीपुर : ताजपुर के पास समुद्र में लापता हुए युवक शेख अनीस इस्लाम (19) का शव आखिरकार बरामद कर लिया गया है। मंदारमणि तटीय पुलिस स्टेशन के प्रभारी अर्कदीप हलदर ने बताया कि अनीस का शव बुधवार की दोपहर करीब 1.30 बजे जलदाखल इलाके से बरामद किया गया। मृतक अनीस का घर उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में था। वह अपने परिवार के साथ दीघा गया था। वहां से अनीस अपने चचेरे भाई सोहन और नसीमुल के साथ मंगलवार को ताजपुर गया था। मंगलवार की सुबह नहाने के दौरान तीनों समुद्र की लहरों में डूब गए। गोताखोरों ने सोहन और नसीमुल को बचा लिया। अस्पताल ले जाने पर सोहन को मृत घोषित कर दिया गया। नसीमुल का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि, मंगलवार की शाम तक सर्च ऑपरेशन के बावजूद शेख अनीस इस्लाम को बचाया नहीं जा सका।

कालियागंज उपचुनाव का वेबकास्ट करने के लिए गुजरात की कंपनी को चुना गया : तृणमूल कांग्रेस

पार्टी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के कार्यालय को लिखा पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य की कालियागंज विधानसभा उपचुनाव के लिए 19 जून को होने वाले मतदान की वेबकास्टिंग करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए ठेके में अनियमितता की गई है। तृणमूल की वरिष्ठ नेता एवं मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने दावा किया कि गुजरात की एक कंपनी को न केवल उपचुनाव के लिए, बल्कि 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए भी अपारदर्शी तरीके से निविदा दी गई है। उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा खइ इससे साबित होता है कि निविदा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी। तृणमूल नेता एवं मंत्री फिरहाद हकीम ने विधानसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि बोलियां जमा करने के बावजूद बंगाल के स्थानीय स्टार्टअप्स को नजरअंदाज क्यों किया गया? बाद मेंष हकीम ने संवाददाताओं से बातचीत में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से स्पष्टीकरण मांगा तथा उस पर करदात-ाओं के धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

तृणमूल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के कार्यालय को लिखे पत्र में कहा खइ वेबकास्टिंग का नेक इरादा - मतदान केंद्रों के अंदर और बाहर मतदान गतिविधियों का निरंतर वास्तविक समय में प्रसारण सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण उपाय है, लेकिन यह प्रक्रियागत विसंगतियों और प्रतिबंधात्मक शर्तों के कारण प्रभावित हुआ प्रतीत होता है। पत्र में कहा गया है खइ विश्वसनीय रूप से यह पता चला है कि कालियागंज के लिए निविदा अनावश्यक रूप से प्रतिबंधात्मक और खुली प्रतिस्पर्धा की भावना के विपरीत है। परिणामस्वरूप, केवल तीन एजेंसियांही अर्हता प्राप्त कर सकीं। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि अहमदाबाद, गुजरात की एक एजेंसी का चयन किया गया, जिसने अन्य की तुलना में उच्च वित्तीय बोली लगाई, फिर भी उसे तकनीकी मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर अनुबंध दिया गया, जो पूर्व निर्धारित प्रतीत होता है। तृणमूल ने कहा कि यह देखना निराशाजनक है कि जिन एजेंसियों का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा है- जिन्होंने पिछले चुनावों में निर्वाचन आयोग के मानदंडों के अनुसार सफलतापूर्वक वेबकास्टिंग सेवाएं प्रदान की हैं- उन्हें अनुचित तरीके से दरकिनार कर दिया गया है। इन एजेंसियों ने लगातार क्षमता और अनुपालन का प्रदर्शन किया है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए अद्यतन करने और अनुकूलन करने के लिए समान अवसर नहीं दिया गया है। तृणमूल ने इस बात की आशंका जताते हुए कि इससे भविष्य में प्रतिस्पर्धात्मक तटस्थता पर असर पड़ सकता है, पत्र में मुख्य निर्वाचन आयुक्त से 'संपूर्ण चयन प्रक्रिया की समीक्षा करने के लिए तत्काल और उचित कदम उठाने' का आग्रह किया है।

हावड़ा में चर्चा बैठक में केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर भाजपा का फोकस

हावड़ा, समाज्ञा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों को रेखांकित करने के उद्देश्य से बुधवार को हावड़ा में एक विशेष चर्चा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य वक्ता भाजपा के राज्यसभा सांसद और प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने भाग लिया।

चर्चा से पूर्व आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस तरह वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, उसी जिम्मेदारी से उन्हें पहलगाम हमले के आतंकवादियों के बारे में भी जवाब देना चाहिए - घटना को 57 दिन बीत चुके हैं। भट्टाचार्य ने तृणमूल नेतृत्व से ओएमआर शीट घोटाले, वन सहायक भर्ती, हावड़ा में जलजमाव, टूटी सड़कों और नगर निगम में चुनाव न होने जैसे मुद्दों पर भी स्पष्ट जवाब की मांग की। उन्होंने 100 दिन के काम में हुए कथित भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार कह रही है-पहले हिसाब दो, फिर पैसे लो। वहीं, नई शिक्षा नीति के राज्य में लागू न होने पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए और कहा कि जब राज्य में पहले ही स्कूल बंद हैं, तो नीति लागू कहां की जाएगी?

भाजपा विधायक ने विधानसभा में उठाया चाय बागानों के बंद होने का मामला

कालचीनी से विधायक विशाल लामा ने अपने क्षेत्र के मधु चाय बागान के बंद होने पर जताई चिंता

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के कालचीनी से भाजपा विधायक विशाल लामा ने बुधवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन में एक बार फिर चाय बागानों के बंद होने का मामला उठाया। शून्यकाल के दौरान उन्होंने सदन में यह मामला उठाते हुए उल्लेख किया कि उनके कालचीनी विधानसभा में स्थित मधु चाय बागान जो हाल में ही खुला था, कुछ दिनों पहले फिर से बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों को उनका मेहनताना तक नहीं मिला। बागान मालिक गरीब श्रमिकों का मेहनताना तक मारकर अचानक बागान बंद कर भाग जा रहे हैं। यह चाय श्रमिकों के साथ अन्याय है। भाजपा विधायक ने कहा कि उत्तर बंगाल के डुआर्स क्षेत्र के बहुत सारे चाय बागानों के मालिक श्रमिकों के पीएफ, ग्रेच्युटी और वेतन लूट कर भाग गए हैं लेकिन राज्य का श्रम विभाग मौन बैठा है। उन्होंने कहा कि कालचीनी स्थित मधु चाय बागान जिसे, श्रम राज्यमंत्री बेचाराम मन्ना की पहल पर खोला गया था, इसका मालिक छह महीने का बकाया वेतन और पिछले 36 महीने का पीएफ जमा किए बगैर बागान बंद कर भाग गया है। मजबूरन श्रमिकों को मालिक के विरुद्ध थाने में एफआ-इआर के लिए जाना पड़ा। लेकिन दुख की बात है कि थाना द्वारा मालिक के विरुद्ध कोई एफआ-इआर दर्ज नहीं की गई। लामा ने कहा कि हमारे क्षेत्र में दलसिंपाड़ा चाय बागान भी पिछले दो-ढ़ाई साल से बंद पड़ा है। उन्होंने दुख जताया कि इस मुद्दे को कई बार सदन में उठाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। भाजपा विधायक ने सुझाव दिया कि यदि राज्य सरकार व श्रम विभाग चाय बागानों को कंट्रोल नहीं कर पा रहा है तो क्यों न लेबर या वर्कर को-आपरेटिव बनाकर चाय श्रमिकों के ही हाथों में चाय बागानों को सौंप दिया जाए। क्योंकि सरकार या मालिक चाय बागानों को नहीं चला पा रही है। उन्होंने चाय श्रमिकों व उनके परिवार की जीविका के लिए राज्य सरकार से कार्रवाई का अनुरोध किया।

आन्दुल के निजी अस्पताल में मरीज की मौत के बाद हंगामा, पुलिस में शिकायत दर्ज

हावड़ा, समाज्ञा : जिले के आन्दुल स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती मरीज की संदिग्ध हालात में मौत के बाद तनाव फैल गया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गलत इलाज का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के अनुसार, आन्दुल के चूनाबाटी इलाके के रहने वाले 67 वर्षीय समीर सरकार को सोमवार की रात शारीरिक अस्वस्थता के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, मंगलवार की रात करीब 10 बजे समीर सरकार पूरी तरह सामान्य अवस्था में थे और परिजनों से

बातचीत भी कर रहे थे। लेकिन, अचानक रात 10.40 बजे उसकी मृत्यु हो गई। मौत की सूचना मिलते ही समीर सरकार के परिजन अस्पताल पहुंच गए और चिकित्सा लापरवाही का आरोप लगाते हुए डॉक्टरों को घेर लिया। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही नजीरगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। मृतक के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों के खिलाफ लिखित शिकायत नजीरगंज थाने में दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से फिलहाल इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक ट्रक चालक की हत्या, आरोपी फरारा

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के धुलागढ़ ट्रक टर्मिनस में मंगलवार को पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक ट्रक चालक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राबुल राघवन (30) के रूप में हुई है, जो तमिलनाडु का निवासी था और बंगाल में ट्रक चलाता था। बताया जा रहा है कि राबुल और एक अन्य चालक के बीच गाड़ी पार्किंग को लेकर बीते कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। मंगलवार को दोनों चालक ट्रांसपोर्ट ऑफिस के बरामदे में पहुंचे, जहां फिर से कहासुनी हो गई। तभी आरोपी चालक ने राबुल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राबुल को स्थानीय लोगों ने गब्बेरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

वोट बैंक की राजनीति के लिए आरक्षण का दुरुपयोग कर रही ममता सरकार : शुभेंदु अधिकारी

❑ **ओबीसी आरक्षण पर बंगाल सरकार की नई अधिसूचनाओं पर अंतरिम रोक के फैसले की खुशी में भाजपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर लड्डू बांटे**

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण देने के संबंध में बंगाल सरकार द्वारा जारी नई अधिसूचनाओं पर अंतरिम रोक लगाने के एक दिन बाद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार वोट बैंक की राजनीति के लिए आरक्षण का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए आरक्षण की नीतियों का मुसलमानों को खुश करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। साल्टलेक में अन्य पिछड़ा वर्ग

(ओबीसी) संघ की एक सभा में अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के बाद वाममोर्चे द्वारा बंगाल में शुरू की गई वोट बैंक की राजनीति को जारी रखे हुए है, जिसका उद्देश्य मुसलमानों का समर्थन हासिल करना है। इधर, ओबीसी आरक्षण पर बंगाल सरकार की नई अधिसूचनाओं पर अंतरिम रोक लगाने के हाई कोर्ट के फैसले की खुशी में शुभेंदु के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने बुधवार को विधानसभा के बाहर लड्डू भी बांटे और खुशी का इजहार किया। अधिकारी ने दावा किया कि एक के बाद एक सत्त-ाधारी दलों की वोट बैंक की राजनीति के कारण राज्य में लोकतंत्र कमजोर होता जा रहा है।

हावड़ा के प्रभु जगतबंधु कॉलेज में स्नातक प्रवेश को लेकर एसएफआई और टीएमसीपी में झड़प

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के आंदुल स्थित प्रभु जगतबंधु कॉलेज में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए फॉर्म भरने के दौरान बुधवार को एसएफआई और तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के बीच जमकर झड़प हो गई। दोपहर करीब दो बजे कॉलेज का ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल खुलने के बाद छात्रों की सहायता के लिए टीएमसीपी की ओर से कॉलेज गेट के पास एक सहायता शिविर लगाया गया था। कुछ ही देर बाद एसएफआई कार्यकर्ताओं ने भी दूसरी ओर टेबल-कुर्सी लगाकर फॉर्म भरने में मदद करना शुरू कर दिया। इसी बीच दोनों छात्र संगठनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। एसएफआई ने आरोप लगाया कि टीएमसीपी समर्थकों ने उनके कार्यकर्ताओं पर हमला किया, टेबल-कुर्सियां तोड़ीं

और उन्हें वहां से हटा दिया। उनका यह भी कहना है कि तृणमूल कार्यकर्ता पैसों के बदले फॉर्म भर रहे थे, जिसका विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई। वहीं टीएमसीपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि कुछ एसएफआई समर्थकों ने उनके शिविर में तोड़फोड़ की और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस पूरे घटनाक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं। दोनों पक्षों ने मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया है।

सिविक वॉलंटियरों को मिलेगा तीन महीने का प्रशिक्षण, प्रस्तावित व्यय 354 करोड़ रुपये से अधिक

कोलकाता : पश्चिम बंगाल पुलिस अब सिविक वॉलंटियरों को तीन महीने का व्यापक प्रशिक्षण देने की योजना बना रही है। इसके लिए राज्य सरकार के गृह विभाग को विस्तृत खर्च के साथ प्रस्ताव भेजा गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम पर लगभग 354 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है।

सूत्रों के अनुसार, पहले सिविक वॉलंटियरों को केवल दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जाता था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार इस अवधि को बढ़ाकर तीन महीने करने का निर्णय लिया गया है। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत राज्यभर के 1,24,714 सिविक वॉलंटियरों

को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि गर्मियों में प्रशिक्षण का खर्च 360.79 करोड़ रुपये और सर्दियों में 346.77 करोड़ रुपये होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्दी, किताबें, स्टेशनरी, परीक्षा शुल्क, भोजन, खेल सामग्री आदि शामिल होंगे। प्रति वॉलंटियर गर्मी के मौसम में 24,600 रुपये और सर्दियों में 27,806 रुपये का खर्च अनुमानित है।

यह प्रस्ताव राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) के हस्ताक्षर से भेजा गया है, जिसमें सरकार से अनुरोध किया गया है कि तीन महीने के नए प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी जाए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन की जिम्मेदारी पश्चिम बंगाल पुलिस की होगी।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जा रही है और इसी क्रम में राज्य सरकार से वित्तीय स्वीकृति की मांग की गई है।

बांसबेड़िया में महिला को जिंदा जलाने की कोशिश

हुगली, समाज्ञा : जिले के बांसबेड़ियां के बेलतला बाजार इलाके में दो भाइयों के बीच संपत्ति विवाद में मंगलवार की रात बड़े भाई की पत्नी को कथित तौर पर जिंदा जलाकर मारने की कोशिश हुई। उसे गंभीर हालत में चुंचुड़ा इमामबाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपित छोटे भाई और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की रात करीब 8 बजे मीना देवी चौधरी नामक बुजुर्ग महिला आग की लपटों में घिरी हुई घर से बाहर सड़क पर आ गई। आग बुझाने के बाद उसे चुंचुड़ा इमामबाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुजुर्ग महिला के पति रामबाबू चौधरी ने बताया कि वह उस समय दुकान में काम कर रहा था। स्थानीय लोगों ने उसे बताया कि उसकी पत्नी आग में जल गई है। उसका अपने छोटे भाई की पत्नी से अक्सर झगड़ा होता रहता था। आग कैसे लगी, यह वह नहीं बता सकता।

ईरान में फंसे बंगाल के पर्वतारोही अजरबैजान सीमा पर पहुंचे, लेकिन मुश्किलें बरकरार

आवश्यक जटिल कागजी कार्रवाई पूरी करनी होगी

कोलकाता, समाज्ञा : संघर्ष प्रभावित ईरान में फंसे बंगाल के पर्वतारोही फाल्गुनी डे तेहरान से 500 किलोमीटर की जोखिम भरी सड़क यात्रा करने के बाद अजरबैजान से लगती अस्तारा सीमा पर जैसे-तैसे मंगलवार की शाम को पहुंच गए, लेकिन स्वदेश पहुंचने में आ रही परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। फाल्गुनी डे को सीमा पार कर अजरबैजान जाने और बाकू पहुंचने के लिए आवश्यक जटिल कागजी कार्रवाई पूरी करनी होगी। बाकू से उनकी घर लौटने की योजना है। फाल्गुनी डे ने वायस मैसेज के जरिए कहा कि अजरबैजान के प्राधिकारी मुझे सरकार द्वारा जारी विशेष प्रवासन कोड के बिना उनके देश में आने नहीं दे रहे और मेरा ई-वीजा इस मामले में किसी काम का नहीं है। मुझे वह कोड मिलने में कम से कम एक पखवाड़ा और लगेगा। उत्तर-पूर्वी ईरान में कैस्पियन सागर के पास स्थित अस्तारा से बाकू स्थित किसी होटल के कमरे तक सुरक्षित पहुंचने के लिए 300 किलोमीटर की अतिरिक्त यात्रा करना डे के लिए आसान नहीं है। फाल्गुनी डे दक्षिण कोलकाता स्थित एक महिला क्रिश्चियन कालेज में सहायक प्रोफेसर हैं और शौकिया तौर पर एक पर्वतारोही भी हैं। वह ईरान की राजधानी के उत्तरपूर्वी किनारे पर 5,610 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एशिया की सबसे ऊंची ज्वालामुखी चोटी दामावंद को फतह करने के उद्देश्य से पांच जून को तेहरान गए थे लेकिन वह इजराइली मिसाइल हमलों के कारण वहीं फंस गए। फाल्गुनी डे ने बताया कि तेहरान और बाकू दोनों में दूतावास के अधिकारी ईरान में फंसे भारतीयों की मदद के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। डे ने कहा कि वर्तमान अनिश्चितता को देखते हुए अब वह आठ घंटे की यात्रा कर आर्मेनिया सीमा तक जाने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं ताकि वह वहां से सीमा पार कर ईरान से बाहर निकल सके।

स्कूल ड्रॉपआउट पर केंद्र की चिंता: पश्चिम बंगाल में 17.87% छात्र माध्यमिक स्तर पर छोड़ रहे स्कूल, कई राज्यों को चेतावनी

नई दिल्ली/कोलकाता : केंद्र सरकार ने एक दर्जन से अधिक राज्यों में माध्यमिक स्तर पर छात्रों की उच्च ड्रॉपआउट दर को लेकर गहरी चिंता जताई है। शिक्षा मंत्रालय की 'समग्र शिक्षा' कार्यक्रम के तहत परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की हालिया बैठक में इन आंकड़ों पर विस्तृत चर्चा हुई।

पश्चिम बंगाल में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, जहां माध्यमिक स्तर पर औसतन 17.87% छात्र स्कूल छोड़ रहे हैं। मंत्रालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह ड्रॉपआउट के कारणों की जांच करे और स्कूल प्रबंधन समितियों की मदद

से विशेष नामांकन अभियान शुरू करे, ताकि सभी आउट-ऑफ-स्कूल चिल्ड्रन (ओओएससी) की पहचान हो सके।

मध्य प्रदेश, झारखंड, त्रिपुरा, कर्नाटक, पंजाब, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु में 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर काफी ऊंची है।

बिहार में तो स्थिति और जटिल है। यहाँ ओओएससी डेटा में भारी विसंगतियाँ देखी गईं हैं, जिससे छात्रों की वास्तविक संख्या का सही अनुमान नहीं लग पा रहा है। केंद्र ने बिहार को विशेष निर्देश दिया है कि वह डेटा एकत्र करने और विश्लेषण में स्कूल प्रबंधन समितियों को पूरी तरह शामिल करे।

दिल्ली में सरकारी स्कूलों में नामांकन की स्थिति कमजोर बताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली के 48.99% स्कूल सरकारी हैं, लेकिन केवल 57.06% छात्र ही इनमें पढ़ रहे हैं। निजी स्कूलों में नामांकन प्रतिशत कहीं अधिक है, जो सरकारी व्यवस्था की सीमाओं को दर्शाता है।

सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत 2030 तक 100% स्कूल नामांकन का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन ड्रॉपआउट दर इस लक्ष्य की सबसे बड़ी बाधा बन रही है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि देश में स्कूली शिक्षा की पहुंच और स्थायित्व दोनों को लेकर अब भी बड़ी खामियां हैं। केंद्र ने सभी प्रभावित राज्यों को निर्देश दिया है कि वे घर-घर सर्वेक्षण, विशेष नामांकन अभियान और प्रशासनिक निगरानी के माध्यम से स्थिति में शीघ्र सुधार लाएं।

वनबंधु परिषद एवं श्रीहरि सत्संग समिति, कोलकाता चैप्टर की वार्षिक सभा और योजना बैठक सम्पन्न

❑ **नयी कार्यकारिणी समिति गठित, पूरे वर्ष के लिए लक्ष्य और कार्य योजना प्रस्तुत**

कोलकाता : वनवासियों के समग्र उत्थान को समर्पित 'वनबंधु परिषद एवं श्रीहरि सत्संग समिति, कोलकाता चैप्टर' की वार्षिक सभा और योजना बैठक रविवार को एकल भवन, कोलकाता में आयोजित की गई। तीन बार ओम् उच्चारण के बाद दीप प्रज्वलन के साथ बैठक प्रारंभ हुई। एकल गीत गायन के बाद सर्वप्रथम अहमदाबाद विमान हादसे में मृत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके लिये एक मिनट का मौन रखा गया। वनबंधु परिषद कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल ने स्वागत सम्बोधन दिया उसके बाद वनबंधु परिषद् के सचिव नीरज हाड़ोदिया ने पिछले वर्ष की वार्षिक बैठक की गतिविधियों की पुष्टि और सचिव रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कोषाध्यक्ष गौरी अग्रवाल द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लेखा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। मनोज कुमार चेतानी द्वारा दक्षिण कोलकाता समिति (न्यू अलीपुर), नितिन सिंघी द्वारा साल्टलेक समिति, भंवर लाल मिमानी द्वारा हावड़ा समिति, नीलम पटवारी द्वारा महिला समिति, गौरव बागला द्वारा वनबंधु परिषद युवा एवं मीरा डोकानिया द्वारा सेवा पात्र की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। श्रीहरि सत्संग समिति के अध्यक्ष प्रदीप रावलवासिया ने अपना संबोधन दिया तथा उसके बाद सचिव सुभाष मुरारका द्वारा गत वर्ष की वार्षिक बैठक की गतिविधियों की पुष्टि और सचिव रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समिति के कोषाध्यक्ष रामलाल मूंधड़ा द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 की लेखा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये लेखा परीक्षक की भी नियुक्ति एवम् पुष्टि की गई । शोभा गुप्ता द्वारा अभियान कार्यालय और अंचल गतिविधियों की रिपोर्टिंग की गई। आरोग्य फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सचिव मनोज कुमार मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल के अंचलों में आरोग्य फाउंडेशन के द्वारा किए जा रहे कार्य की रिपोर्टिंग प्रस्तुत की गई। वर्ष 2019 से 2025 की अवधि में वर्तमान अध्यक्ष व सचिव के नेतृत्व में वनबंधु परिषद एवं श्रीहरि सत्संग समिति द्वारा की गई गतिविधियों की वीडियो झलकियाँ प्रदर्शित की गई।

वित्त वर्ष 2025-27 के लिए नई कार्यकारणी समिति और कार्यात्मक समिति की घोषणा वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश माहेश्वरी द्वारा की गई जिसमें महेंद्र अग्रवाल (अध्यक्ष, वनबंधु परिषद् कोलकाता चैप्टर), मनोज कुमार चेतानी (सचिव, वनबंधु परिषद् कोलकाता चैप्टर), प्रवीण अग्रवाल (अध्यक्ष, श्रीहरि सत्संग समिति कोलकाता चैप्टर) तथा विकास पोद्दार (सचिव, श्रीहरि सत्संग समिति कोलकाता चैप्टर) को पदभार दिया गया तत्पश्चात रमेश माहेश्वरी ने अपना संबोधन दिया । वनबंधु परिषद् के राष्ट्रीय संरक्षक चैप्टर के वरिष्ठ मार्गदर्शक आदरणीय सजन बंसल ने उपस्थित सभी सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाया । कोलकाता चैप्टर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य और कार्य योजना प्रस्तुत की गई।

श्रीहरि सत्संग समिति के नवनिर्वाचित सचिव विकास पोद्दार द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक कैलेंडर प्रस्तुत किया गया। वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सरावगी ने अपना सम्बोधन दिया तथा कोलकाता चैप्टर के कार्य, विजन और अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला । संघ के प्रांत प्रचारक प्रशांत भट्ट ने संस्था द्वारा संचालित प्रकल्पों की प्रशंसा की तथा अपने विचार व्यक्त किये। इसके बाद खुले सत्र का आयोजन हुआ जिसमें सदस्यों ने अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव दिए।

वनबंधु परिषद कोलकाता चैप्टर के नवनिर्वाचित सचिव मनोज कुमार चेतानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कल्याण मंत्र के साथ बैठक संपन्न हुई।

इस अवसर पर राकेश झुनझुनवाला, बुलाकी दास मिमाणी, नटवर बंग, अनिल करीवाला, बसंत पारख, सुदीप चितलांगिया, पुरुषोत्तम बेरीवाल, अलका मोदी, रूपा अग्रवाल, प्रतिभा बिनानी, सुधा भट्टर, गिरधारी लाल चूग, रमेश चन्द्र झंवर, रमेश गुप्ता, अंकित दीवान, विनय चूग, पंकज झंवर, शिव कुमार हमिरवासिया, अभय केजरीवाल, रिषभ सरावगी एवम् अन्य कई सदस्य, कार्यकर्ता एवम् दानदाता उपस्थित थे।

ढाई साल के बेटे की हत्या कर प्रेमी संग रहने वाली मां गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के शासन इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां पर अपने ढाई साल के बेटे की हत्या कर शव को तालाब में फेंकने का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है और उसके प्रेमी से भी पूछताछ की जा रही है। आरोपी महिला की पहचान मीता हालदार (28) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मीता की शादी कुछ साल पहले हुगली जिले के भद्रेश्वर निवासी अभिजीत हालदार से हुई थी। इस दंपति का ढाई साल का एक बेटा था, जिसका नाम अरिजीत था। जानकारी के अनुसार, हाल ही में मीता की सोशल मीडिया के जरिए उत्तर 24 परगना के शासन इलाके के एक युवक से पहचान हुई। दोनों के बीच

नजदीकियां बढ़ीं और यह रिश्ता प्रेम में बदल गया। दो हफ्ते पहले मीता ने अपने पति का घर छोड़ दिया और अपने बेटे को लेकर प्रेमी के घर में रहने लगी।

इसी दौरान मीता के प्रेमी के घर से सटे तालाब से अरिजीत का शव बरामद हुआ। बेटे की संदिग्ध मौत की जानकारी मिलते ही पिता अभिजीत ने शासन थाने में मीता के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मीता को गिरफ्तार कर लिया।

शराब महिलाओं के लिए बहुत खतरनाक

सीतेश कुमार द्विवेदी

आम तौर पर जब शराब पीने की बात आती है, तो भारत समेत पूरी दुनिया की महिलाएं पुरुषों पर बात डाल देती हैं जबकि सच यह है कि अब महिलाएं भी बड़ी संख्या में इस लत की शिकार होने लगी हैं। हाल ही में आर्गनाइजेशन फार इकोनामिक कारपोरेशन एंड डेवलपमेंट द्वारा जारी एक ग्लोबल रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि भारत में शराब का सेवन पिछले 20 सालों में 55 प्रतिशत तक बढ़ा। शराब सेवन की दृष्टि से 40 देशों की सूची में भारत को तीसरा स्थान मिला है। महिलाओं में इस का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है।

आंकड़ों के अनुसार पिछले 10 सालों में हमारे देश में शराब का सेवन करने वाली महिलाओं की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। 'वल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन' की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 11 प्रतिशत महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। आलम यह है कि आजकल शराब को भी कुछ महिलाएं स्टेटस और आजादी से जोड़ कर देखने लगी हैं। यदि उन्हें शराब पीने से रोका जाता है तो वे इसे रूढ़िवादी सोच और महिलाओं के प्रति सोची-समझी साजिश का नाम दे कर हंगामे पर उतर आती हैं। शराब पी कर वे स्वयं को आजाद और आधुनिक महसूस करती हैं।

शराब का सेवन पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए ही नुकसानदायक होता है। लेकिन महिलाओं की शारीरिक रचना के कारण शराब उन्हें पुरुषों की तुलना में अधिक नुकसान पहुंचाती है। महिलाएं शराब के प्रभावों के लिए अधिक संवेदनशील होती हैं। बराबर मात्रा में शराब लेने पर महिलाओं के खून में पुरुषों के मुकाबले उस का असर ज्यादा होता है। महिलाओं पर एक समान ड्रिंक लेने का प्रभाव पुरुषों के मुकाबले दोगुना ज्यादा होता है। इस के कई जैव वैज्ञानिक कारण हैं:-

शरीर में फैट- महिलाओं का वजन पुरुषों के मुकाबले कम होता है और पुरुष के समान वजन की एक महिला में पुरुष के मुकाबले कम पानी और ज्यादा फैटी टिशू होगा। चूंकि पानी शराब का घनत्व घटाता है, इसलिए महिलाओं के शरीर में शराब का घनत्व ज्यादा लंबे समय तक और अधिक मात्रा में रहता है।

एंजाइम- महिलाओं में एंजाइम का स्तर कम होता है जो आमाशय और यकृत में शराब को मेटाबोलाइज कर सके। परिणाम स्वरूप महिलाओं के खून में शराब की मात्रा ज्यादा हो जाती है।

हारमोन- मासिक चक्र के दौरान हारमोन के स्तर में बदलाव से महिलाओं द्वारा अल्कोहल मेटाबोलाइज करने का तरीका प्रभावित होता है।

मानसिक प्रभाव- शराब के सेवन से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बुरी तरह प्रभावित होता है, जिस का प्रभाव व्यक्ति के निजी और प्रोफेशनल जीवन पर पड़ने लगता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर असर

लिवर डिजीज- जो लोग लगातार अधिक मात्रा में शराब का सेवन करते हैं उन्हें लिवर की सूजन और लिवर सिरोसिस जैसी परेशानियों से जूझना पड़ता है। अगर इन का समय रहते उपचार न कराया जाए तो लिवर पूरी तरह खराब हो सकता है जो जीवन के लिए घातक होता है।

रक्तदाब बढ़ना- शराब का सेवन रक्तदाब को बढ़ा देता है। महिलाओं में शराब के सेवन से होने वाले उच्च रक्तदाब का खतरा पुरुषों से दोगुना होता है।

थकान- अधिक मात्रा में शराब का सेवन करने से विटामिन बी12 की मात्रा कम हो जाती है जिस के कारण थकान होती है। चक्कर आना, भ्रमित होना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

मोटापा- शराब शरीर में लैप्टिन के स्तर को कम कर देती है। यह भूख को नियंत्रित करने वाला हारमोन है। इस का स्तर कम होने से भूख अधिक लगती है जिस से कैलोरी का इनटेक अधिक होता है और मोटापा बढ़ता है। शराब के सेवन के बाद उन चीजों को खाने का मन करता है, जिन में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। इस से वजन बढ़ने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

प्रजनन क्षमता- शराब के सेवन से समयपूर्व मेनोपोज, बांझपन, गर्भपात आदि का खतरा बढ़ जाता है। जो महिलाएं नियमित शराब का सेवन करती हैं उन का मासिक चक्र गड़बड़ा जाता है। इस के सेवन से अंडोत्सर्ग पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अंडों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान शराब का सेवन करती हैं उन के गर्भस्थ शिशु का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। हमारे देश में पिछले 5 वर्षों में बांझपन की समस्या 20 से 30 प्रतिशत बढ़ गई है। इस के प्रमुख कारणों में शराब का लगातार बढ़ता सेवन भी एक है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

अनिद्रा और अवसाद- शराब का सेवन करने से अनिद्रा की समस्या बढ़ जाती है जिस से मानसिक तनाव बढ़ता है। लगातार तनाव की स्थिति अवसाद में बदल जाती है। अगर अवसाद की स्थिति से बाहर आने का प्रयास न किया जाए और शराब का सेवन जारी रखा जाए तो व्यक्ति गहरे अवसाद में चला जाता है। गहरे अवसाद को आत्महत्या के सब से प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है।

मस्तिष्क का क्षतिग्रस्त हो जाना- शराब के कारण मस्तिष्क में विषाक्तता बढ़ती है जिसके कारण याददाश्त प्रभावित होती है और डिमेंशिया होने का खतरा बढ़ जाता है। शराब मस्तिष्क की कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त कर देती है। इस से मिरगी का खतरा बढ़ जाता है। महिलाओं में यह प्रभाव अधिक होता है। शराब मस्तिष्क की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को भी धीमा करती है।

गर्भावस्था में कतई न करें सेवन- गर्भावस्था के दौरान शराब का सेवन बिलकुल नहीं करना चाहिए। जब गर्भवती महिला शराब पीती है तो प्लैसेंटा के द्वारा वह शिशु तक पहुंच जाती है। इस से गर्भस्थ शिशु के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। चूंकि इस समय बच्चे का पाचन तंत्र विकसित हो रहा होता है, इसलिए यहां वयस्क शरीर की तुलना में शराब का ब्रेकडाउन अत्यधिक धीमा होता है और बच्चे के रक्त में शराब का स्तर काफी समय तक बना रहता है। गर्भावस्था के दौरान किसी भी समय कितनी भी मात्रा में शराब का सेवन गर्भस्थ शिशु को हानि पहुंचा सकता है खासकर पहली और दूसरी तिमाही में।

शराब से कैंसर का डर- इंटरनेशनल एजेंसी फार रिसर्च इन टू कैंसर (आईएआरसी, विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक अंग) ने शराब को ग्रुप 1 कार्सिनोजेन के रूप में वर्गीकृत किया है। इस का मतलब है कि इस बात का ठोस प्रमाण है कि शराब से कैंसर होता है। शराब सिर, गरदन, आहारनली, यकृत, आंत, मलाशय व स्तन कैंसर का एक प्रमुख कारण है।

शराब से अग्नाशय के कैंसर तथा कई अन्य तरह के कैंसर का खतरा बढ़ता है। इन में से प्रत्येक कैंसर में खतरा ली गई शराब की मात्रा के अनुसार बढ़ता है।

यदि प्रयास किया जाए तो शराब की लत आसानी से छोड़ी जा सकती है। पूर्व सिने अभिनेत्री पूजा भट्ट ने स्वयं को इस लत से आजाद किया है। 47 साल की पूजा ने शराब का त्याग किया और फिर दोबारा इसे हाथ नहीं लगाया। इस संदर्भ में उन का कहना है कि उन के पिता महेश भट्ट के एक मैसेज ने उन्हें शराब छोड़ने को प्रेरित किया और वे इस पर पूरी तरह कायम हैं। वे जिंदगी को ज्यादा बेहतर ढंग से जीने के अपने फैसले से बहुत खुश हैं। वास्तव में यदि दृढ़निश्चय के साथ शराब छोड़ने का प्रयास किया जाए तो इस की लत से आजाद होना कतई कठिन नहीं है। (स्वा. द.)

कुछ राज वजन कम करने के

सुनीता गाबा

मोटापा मानव शरीर के लिए अभिशाप है और कई अन्य रोगों की जननी है। इसके अतिरिक्त सौंदर्य का भी शत्रु है। इसलिए इस पर नियंत्रण करना जरूरी है। बहुत से लोग तो वंशानुगत मोटापे का शिकार हो जाते हैं पर अधिकतर लोगों के मोटापे का राज निष्क्रिय जीवन शैली और खान पान पर ध्यान न देना है। बहुत कम लोग बीमारी के कारण मोटापे का शिकार होते हैं।

जो लोग शीघ्र समझ लेते हैं कि मोटापा उनके लिए खतरनाक है, वे जल्दी ही मोटापा कंट्रोल करने के साधन ढूंढते हैं। वे मोटापा काबू तो कुछ समय के लिए कर लेते हैं पर कुछ समय बाद जरा सी ढील देने पर फिर उसी अवस्था में पहुंच जाते हैं।

जर्मन में मोटे लोगों पर सर्वे किया गया। सर्वे उन लोगों पर था जो मोटापे के शिकार तो थे पर भिन्न-भिन्न रूपों में मोटापे को नियंत्रण करने में प्रयासरत रह चुके थे और काफी हद तक मोटापे पर काबू भी पा चुके थे। इन सभी लोगों ने मोटापा कम कैसे किया है, इस बारे में जानकारी ली और उस पर विशेषज्ञों ने अध्ययन किया और पाया कि कुछ ऐसी बातें थी जो मोटापा नियंत्रण करने में सामान्य थी। आइए जानें क्या सामान्य तथ्य हैं जो उन लोगों ने अपने मोटापे को नियंत्रण करने में आजमाएं।

▲ मोटापे से ग्रस्त सभी लोग प्रतिदिन पानी सामान्य से अधिक मात्रा में पीते थे। तीन लिटर पानी वे कम से कम पीते थे।

▲ ये लोग फल और सब्जियों का प्रतिदिन सेवन करते थे। चपाती के साथ सब्जी के अलावा कुछ बिना पकी या भाप द्वारा पकी सब्जियां इसके अतिरिक्त खाते थे।

▲ नाश्ता सभी लोग अच्छा करते थे।

▲ सभी लोग प्रतिदिन कम से कम 1 घंटा व्यायाम करते थे या इस प्रकार के कार्य करते थे जिनमें श्रम अधिक लगता था।

▲ अपनी खान पान की आदतों पर उन्हें नियंत्रण था और उचित खान पान करते थे। भोजन में वसा और चीनी से परहेज करते थे बस संतुलित आहार ही ग्रहण करते थे।

▲ डिब्बाबंद पेय और खाद्य पदार्थों का सेवन बिलकुल नहीं करते थे। जो भी खाद्य पदार्थ खाते थे, नेचुरल या फ्रेश खाते थे।

▲ आहार में रेशेदार पदार्थों को अहमियत देते थे।

▲ हर सप्ताह अपने वजन का रिकार्ड रखते थे।

क्यों न उन आदतों को अपनी दिनचर्या में शुमार कर हम भी अपना मोटापा नियंत्रण में रखें। (स्वा. द.)

दिमाग के दौरे से सावधान रहें

अम्बिका

आज तक हम सब ने साइलेंट दिल के दौरों के बारे में सुना है लेकिन यह बहुत कम लोग जानते हैं कि इंसान को कभी-कभी साइलेंट दिमाग के दौरे भी होते हैं। ये दौरे अक्सर बड़े-बूढ़े लोगों को ज्यादा होते हैं।

यह साइलेंट दिमाग का दौरा केवल एक बार नहीं, कई बार हो सकता है। ऐसे दौरों की सबसे खतरनाक बात यह है कि इसमें कोई ऐसे लक्षण नहीं दिखाई देते जैसे सिरदर्द, जी घबराना, चक्कर आना इत्यादि जो साइलेंट दिल के दौरे के समय आ सकते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि यदि ऐसे दौरों को ठीक समय पर न रोका गया तो वे दिमाग पर एक गहरी छाप डाल देते हैं जिससे आपके दिमाग को बहुत नुकसान हो सकता है।

प्रसिद्ध मस्तिष्क रोग विशेषज्ञों का कहना है कि यह बीमारी अक्सर 40 वर्ष से ऊपर के लोगों में ज्यादा पाई गई है और इसका एक लक्षण हो सकता है याददाश्त खोना या कम होना। यदि आपको याददाश्त खोने या कम होने के ज्यादा दौरे आ रहे हैं तो आपको इसकी जांच करवा लेनी चाहिए।

इसके होने के कारण लगभग वही हैं जो दिल के दौरे के होने के कारण हैं जैसे अधिक तैलयुक्त भोजन, ज्यादा मांसाहारी भोजन, शरीर को सुस्त रखने की आदत, सिगरेट अधिक पीना, ज्यादा शराब पीना आदि। अफसोस की बात तो यह है कि भारत में यह

साइलेंट दिमाग के दौरे ज्यादा कम उम्र वाले लोगों में भी होने लगे हैं और ऐसे दौरों में धीरे-धीरे आपकी बुद्धि कम होती जाती है।

बढ़ता तनाव भी इस बीमारी के बढ़ने का कारण है। जाने-माने मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर नागपाल का कहना है कि उनके पास कई ऐसे बीमार लोग आए जिन्हें अधिक तनाव था। तनावग्रस्त होने के कारण उनका रक्तचाप भी बढ़ गया था और इसकी वजह से उनके दिमाग में भी दोष पाया गया था। यदि इस बीमारी के बारे में जल्द पता लग जाए तो दिमाग को ज्यादा नुकसान पहुंचने से रोका जा सकता है।

यदि 40-50 वर्ष की उम्र के लोगों में ज्यादा तनाव नजर आए और वे गुमसुम, अकेले और अवसाद के शिकार हों तो उन्हें केवल मानसिक तौर से बीमार न समझें। उनकी सही जांच करवाएं, जिससे पता चले कि कहीं उन्हें दिमाग का दौरा तो नहीं पड़ा?

कभी-कभी साइलेंट दिमाग के दौरे डायबिटिज और ज्यादा मोटापे की वजह से हो सकते हैं। इन कारणों से शरीर में क्लाट बन जाते हैं और यदि इनमें से एक भी दिमाग में चला गया तो दिमाग के रक्त के बहाव में रूकावट आ सकती है और इससे न केवल साइलेंट दिमाग का दौरा बल्कि और कई खतरनाक बीमारियां जैसे अधरंग आदि भी पैदा हो सकती हैं। इसलिये डॉक्टरों ने सभी को सावधानी बरतने को कहा है।

जिन बातों का ध्यान आप अपना दिल स्वस्थ रखने के लिए रखते हैं, उन्हीं बातों का ध्यान आपको इसके लिए भी रखना चाहिए जैसे ज्यादा वजन न बढ़ाना, कम तेलयुक्त भोजन लेना, नित्य हल्का व्यायाम करना या सैर पर जाना, रात को हल्का भोजन लेना, तनाव कम करना सिगरेट व शराब कम करना आदि। तनाव ही एक ऐसा कारण है जो इस बीमारी के लिए काफी जिम्मेदार है, अतः इन परिस्थितियों से सावधान रहें। (स्वा. द.)

बढ़ रही हैं किडनी की बीमारियां

सीतेश कुमार द्विवेदी

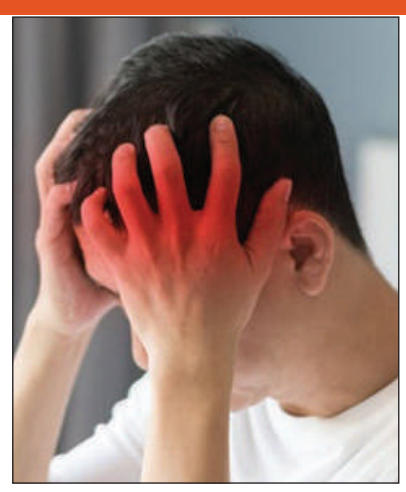

डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर एवं पथरी तीन ऐसी बीमारियां हैं जिसके कारण किडनी की बीमारियां तेजी से बढ़ती जा रही हैं। जो 50 वर्ष की आयु के आसपास हैं, शुगर एवं बी.पी. के मरीज हैं, धूम्रपान करने के आदी हैं, दर्द निवारक दवा अधिक लेते हैं, उन्हें किडनी की जांच अवश्य करवा लेनी चाहिए। शुगर एवं हृदय रोग के बढ़ते खतरों के बीच देश तेजी के साथ दीर्घकालिक किडनी रोग (क्रानिक किडनी डिजीज सीकेडी) के शिकार होते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे महामारी की आहट मानते हैं।

दीर्घकालिक किडनी डिजीज से पीड़ितों में से 40 से 45 प्रतिशत डायबिटिज, 20 से 25 प्रतिशत बी. पी., हृदय रोग एवं शेष पथरी एवं अन्य कारणों से इसके शिकार हैं जबकि यहां गुर्दा रोग से पीड़ित रोगियों में से मात्रा एक प्रतिशत ही उपचार का बोझ उठा पाने में सक्षम हैं। वहीं देश में 16 लाख लोगों के अनुपात में मात्रा एक गुर्दा रोग विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध है। इसी कारण यहां बहुत कम लोगों का किडनी प्रत्यारोपण हो पाता है।

विश्व में 60 करोड़ लोग गुर्दे की बीमारियों से पीड़ित हैं। इनमें से 4 करोड़ लोग भारत में हैं जो गुर्दे की बीमारियों, मधुमेह एवं रक्तचाप से ग्रस्त हैं तीस प्रतिशत मधुमेह रोगियों को गुर्दे के काम नहीं करने जैसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। यहां के मधुमेह रोगी प्रति वर्ष लगभग बारह हजार करोड़ रूपए डायलिसिस पर व्यय कर रहे हैं। किडनी की अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक, दोनों ही बीमारियां जानलेवा बन जाती हैं।

किडनी की बीमारियों के कारण:-

- बी. पी. एवं हृदय रोग का बेकाबू होना।
- शुगर का लगातार बढ़ा रहना।
- किडनी में पथरी।
- धूम्रपान एवं नशापान की अधिकता।
- दवाओं का अधिक सेवन।
- विष बाधा, विषैले पदार्थ एवं रसायनों का सेवन।
- शरीर में पानी का कम होना, पानी कम पीना।
- किसी बीमारी का दीर्घकालिक हो जाना।

किडनी की बीमारियों के संकेत:-

- खून की कमी, अनीमिया, खून का पतला होना।
- थकावट, कमजोरी, सांस फूलना एवं बेहोश हो जाना।
- खाने में अरूचि, भूख कम लगना, वजन गिरना।
- मिचली, उल्टी, उबकाई आना।
- पेशाब का कम ज्यादा होना और इसमें तकलीफ होना।
- चेहरा, हाथ, पैर एवं शरीर में सूजन।
- हड्डियों में दर्द होना।
- पेशाब करते समय पीड़ा होना, प्रोटीन एवं खून जाना।

किडनी के रोगों का उपचार:-

- संकेतों की अधिकता की स्थिति में डॉक्टर से मिलें। खून की जांच कराएं।
- जिम्मेदार रोगों पर नियंत्राण रखें।
- खाने-पीने की चीजों से परहेज करें।
- दवा लें, उपचार कराएं।
- समय पर डायलिसिस कराएं।
- शीघ्र दवा, उपचार से किडनी ठीक हो सकती है।
- नमक, शक्कर, तेल, घी कम कर दें।
- उबला पानी निर्धारित मात्रा में लें।
- डिब्बाबंद, बोतलबंद, जंक फूड एवं बाहरी चीजें न खाएं।
- फलियां एवं दालें न्यून कर दें।
- खट्टी चीजें व मांस त्याग दें।
- सलाद व जूस न के बराबर लें।
- अचार, पापड़ एवं नमकीन चीजें न खाएं।
- तरल पदार्थ डाक्टर की सलाह से लें।
- कोई भी दवा डॉक्टर की सहमति से लें।
- बेकरी आयटम न लें।
- सेब, पपीता, अमरूद, नाशपाती खाएं। (स्वा. द.)

सेहत का राज, फल सब्जियां

वंदना सिंह

सब रोगों की जड़ हमारी जीवन शैली है, विशेषकर जिसमें बिना चले फिरे या शारीरिक श्रम के बिना दिन कट जाता हो। इसके अलावा ज्यादा खाना, व्यायाम रहित जीवन, प्रदूषण और रसायनों से लगातार संपर्क ऐसी स्थितियां हैं जो बीमारियों का कारण बनती हैं।

इसके लिए हमें पोषण संबंधी कुछ तथ्यों पर विशेष ध्यान देना होगा। शोधों से पता चलता है जब पोषण में सुधार होता है तो स्वास्थ्य भी स्वतः ही सुधरता है। वास्तव में अपने भोजन में हम जितना अधिक रेशेदार और ताजे कच्चे खाद्य पदार्थों का प्रयोग करेंगे, पोषण वगुणवत्ता के संदर्भ में हम सकारात्मक स्वास्थ्य की ओर उतने ही कदम बढ़ाते जायेंगे। पौधों से मिलने वाले कच्चे भोजन में ऐसे बहुत से सक्रिय तत्व पाये जाते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। यही नहीं, वे हमारे शरीर के प्रतिरोधी तंत्रा को भी मजबूत बनाते हैं।

ताजे व कच्चे फल और सब्जियां, फलों के रस, दाने अंकुरित अनाज, शहद, दही आदि में शरीर को हुए क्षय की भरपाई करने की क्षमता होती है।

कच्चे फलों, सब्जियों, अंकुरित अनाजों में विटामिन अपनी मूल जैव रासायनिक अवस्था में ही पाए जाते हैं। कच्चे भोजन का महत्त्व इतना अधिक है क्योंकि उसमें सभी

आवश्यक विटामिन मौजूद होते हैं।

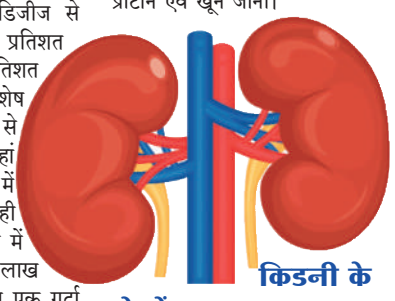

कच्चे खाद्य पदार्थों में खनिज भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं जिनमें से कुछ तो केवल कच्चे भोज्य पदार्थों में ही मिलते हैं।

पकाने की क्रिया में एंजाइम्स नष्ट हो जाते हैं। बंदगोभी, शलगम, अंकुरित अनाज आदि जैसे कच्चे खाद्य पदार्थों के सेवन से शरीर में एंजाइम्स बनते हैं जो लिवर की रक्षा करते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया कि कच्चे भोजन की मात्रा बढ़ाने पर स्वास्थ्य में आशातीत सुधार होता है हालांकि इसके कई अन्य लाभ और भी हैं।

भोजन में पके खाद्य पदार्थों के साथ-साथ प्रचुर और विविध मात्रा में कच्चे वनस्पति पदार्थ भी लेने चाहिए। अपने भोजन में कच्चे पदार्थों की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए। ताजे फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। कारण स्पष्ट है, इसमें विटामिन, खनिज पदार्थ और एंजाइम होते हैं और ये शरीर से जहरीले नुक्सानदेह पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

हमें अंकुरित अनाजयुक्त ताजी और हरी सब्जियों से तैयार सलाद भी खाना चाहिए। स्वाद के लिए जड़ी बूटियों, नींबू के रस और सिरके का प्रयोग किया जा सकता है। साथ ही यह पेट के लिए भी अच्छा रहता है।

कच्चे भोजन में ताजे फल, अंकुरित दालें, सब्जियां, अनाज, फलियां और दही लेने चाहिए। वास्तव में प्रकृति हमें सकारात्मक स्वास्थ्य की ओर ले जाती है। इसीलिए तो उसने हमें उच्च पोषण क्षमता वाले विविध प्रकार के आहारों का खजाना दिया है। जरूरत है तो बस उसकी चाबी को खोज निकालने की। (स्वा. द.)

धूम्रपान की आदत, मौत को दावत

रामकुमार गुप्ता

आधुनिक युग में मनुष्य ने बीड़ी-सिगरेट, चाय-कॉफी, सोडा कोला, शराब, चाय-समोसा आदि सभी वस्तुएं फैशन के रूप में अपना रखी हैं। खुद तो इनका प्रयोग करते ही हैं, मेहमानों को भी आदर स्वरूप सेवन कराते हैं।

इनमें बीड़ी सिगरेट का चलन तो बहुतायत से होता है। बीड़ी-सिगरेट गरीब-अमीर, पढ़ा लिखा-अनपढ़, डॉक्टर-वकील सभी प्रयोग में लाते हैं। प्रत्येक मनुष्य इसके गुण-अवगुण भली-भांति जानते हुए भी इसको मुंह लगाये हुए है।

तंबाकू में पाये जाने वाले रासायनिक यौगिक बहुत खतरनाक हैं। तम्बाकू में फरफ्युरल, सलफ्रेटेड़, रबीडाइन, निकोटिन आदि रासायनिक यौगिक पाये जाते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी हैं जिनका लेप अगर चूहों पर कर दिया जाये तो उन्हें त्वचा का कैंसर हो जाता है।

तंबाकू की कुछ बूंदें अर्क के रूप में अगर कुत्ते या बिल्ली को पिला दी जायें तो वे मर सकते हैं। मनुष्य समझदार प्राणी होकर भी इसे मुंह लगाये हुए है। किसी ने सच ही तो कहा है.

बीड़ी-सिगरेट से हानियां-

- ❒ बीड़ी-सिगरेट पीने वाले व्यक्ति को खांसी व बलगम हमेशा बनी रहती है।
- ❒ तंबाकू पीने वाले को दमे जैसी बीमारी लग जाती है जिससे वह सांस भी सही तरीके से नहीं ले सकता।
- ❒ तंबाकू में निकोटिन नामक मादक पदार्थ होता है जिससे फेफड़े गल जाते हैं। टी.बी हो जाती है।
- ❒ धूम्रपान से कैंसर का भय बना रहता है।
- ❒ तंबाकू खाने से मुंह से बदबू आती रहती है और दांत खराब हो जाते हैं।
- ❒ तंबाकू से पहनने वाले कपड़े जल जाते हैं।

मज़ाक भरे लहजे में बीड़ी के फायदे:-

- ❒ बीड़ी पीने वाला कभी बूढ़ा नहीं होता क्योंकि वह जवानी में ही मर जाता है।
- ❒ बीड़ी पीने वाले के कभी चोरी नहीं होती क्योंकि उसे सारी रात नींद नहीं आती, खांसी आती है।

आप समझ ही गये होंगे कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए एक दानव है जो मनुष्य को न जीने देता है, न मरने देता है। धूम्रपान न करने में ही भलाई है क्योंकि स्वस्थ स्वास्थ्य ही मनुष्य का गहना है। धूम्रपान की आदत मौत को दावत है। (स्वा. द.)

नींबू- विविध प्रयोग

सुदर्शन चौधरी

विटामिन सी से भरपूर नींबू पूरा साल उपलब्ध रहता है। नींबू एक है पर इसका प्रयोग हम विविध रूप से कर अनेक रोगों में इसका लाभ उठा सकते हैं। नींबू एक औषधि के साथ साथ सौंदर्य प्रसाधन के रूप में भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

पथरी होने पर:-

एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर सेंधा नमक मिलाकर सुबह शाम दो बार नित्य एक महीनों तक पीने से पथरी गलकर निकल जाएगी।

डैंड्रफ और बाल गिरने पर:-

एक नींबू के रस में तीन चम्मच चीनी, दो चम्मच पानी मिलाकर उस घोल को बालों की जड़ों में लगाकर एक घंटे बाद अच्छे से सिर धोने पर डैंड्रफ दूर होती है और बाल गिरने भी कम हो जाते हैं।

सिर में नींबू की रस भरी फांक रगड़ने के बाद बाल धायें। बालों का गिरना कम होगा।

गला दर्द होने पर या बैठने पर:-

गला दर्द होने पर या आवाज बैठने पर एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़ कर उसमें नमक मिला कर सुबह शाम गरारे करने से लाभ मिलता है।

अपच होने पर:-

खाने से पहले नींबू पर सेंधा नमक डालकर चूसें। नींबू पर काला नमक, कालीमिर्च डालकर दिन में दो-तीन बार चूसें। भूख भी लगेगी और पेट के सामान्य रोग दूर होंगे। पपीते पर नींबू, काली मिर्च डालकर प्रातः लगातार सात दिन तक खाएं।

सर्दियों में भोजन के साथ मूली पर नमक व नींबू डालकर खाएं।

बाल काले करने के लिए:-

एक नींबू के रस में, दो चम्मच पानी, चार चम्मच पिसा हुआ आंवला मिला लें। इसका पेस्ट बनाएं, पेस्ट को एक घंटे तक भीगने दें फिर सिर पर लेप करें। एक घंटे बाद सिर धोयें। सिर धोते समय साबुन, शैम्पू का प्रयोग न करें। बाल धोते समय आंखें बंद रखें, हर चौथे दिन इस पेस्ट को बना कर लगाएं। कुछ माह तक नियमित प्रयोग से बाल काले होंगे।

गैस होने पर:-

- ◆ एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर चौथाई चम्मच मीठा सोडा मिलाकर पियें।
- ◆ नींबू काटकर इसकी फांकों में नमक व पीसी हुई काला मिर्च डालकर गर्म कर चूसने से गैस में लाभ होता है।
- ◆ एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच पिसी अजवायन आधा कप गरम पानी में डालकर सुबह शाम पियें।

मुंह की दुर्गंध:-

एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर दो चम्मच गुलाब जल डालकर भोजन के बाद इस पानी से 2.3 कुल्ले करके बाकी बचा पानी पी लें। लाभ मिलेगा।

हिचकी लगने पर:-

- ◆ नींबू में नमक डालकर दिन में चार बार चूसें।
- ◆ काला नमक, शहद और नींबू का रस मिलाकर चाटें।
- ◆ तेज गरम पानी में नींबू का रस निचोड़कर घूंट घूंट कर पियें।

गर्भावस्था में मार्निंग सिकनेस होने पर:-

- ◆ ठंडे पानी में नींबू निचोड़कर पीने से गर्भवती महिला को लाभ मिलता हैं

दस्त होने पर:-

- ◆ एक कप ठंडे पानी में चौथाई नींबू निचोड़कर स्वाद के अनुसार नमक, चीनी मिलाकर दो दो घंटे में पीने से दस्त बंद हो जाते हैं।
- ◆ बार-बार थोड़ा-थोड़ा दस्त होने पर एक चम्मच प्याज के रस में, आधा नींबू का रस, चौथाई कप ठंडे पानी में मिलाकर हर तीन घंटे में रोगी को पिलायें। (स्वा. द.)

न्यूज इन ब्रीफ

चिनार कोर कमांडर ने अमरनाथ यात्रा से पहले घाटी में सुरक्षा की समीक्षा की

श्रीनगर : सेना की चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव ने बुधवार को कश्मीर घाटी में सुरक्षा और सैनिकों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। ये सुरक्षा समीक्षा दक्षिण कश्मीर में पवित्र गुफा मंदिर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा की शुरुआत से दो सप्ताह पहले की गई है। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू होगी और नौ अगस्त को समाप्त होगी। श्रीनगर स्थित इस रणनीतिक कोर ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, ''चिनार कोर के कमांडर ने उत्तर और दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा तंत्र और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की तथा निरंतर सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया।''

केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आकर दो की मृत्यु, तीन घायल

रुद्रप्रयाग : उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर जंगलचट्टी बरसाती नाले के पास बुधवार को भूस्खलन होने से उसकी चपेट में आए दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी जबकि एक महिला समेत तीन अन्य घायल हो गए। रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली सूचना के अनुसार, सुबह करीब ग्यारह बजे हुए भूस्खलन का शिकार हुए लोगों को उपचार के लिए ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार, बरसाती नाले के पास ऊपर पहाड़ी से मलबा और पत्थर आने के कारण इस क्षेत्र से गुजर रहे कुछ यात्री तथा पालकी संचालक इसकी चपेट में आकर नीचे खाई में गिर गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस तथा जिला आपदा प्रबंधन बल की टीमें खाई में गिरे लोगों को निकाल कर ऊपर लायीं।

ओडिशा में 24 जून तक भारी बारिश होने का अनुमान: आईएमडी

भुवनेश्वर : भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि ओडिशा में कई जगहों पर 24 जून तक भारी बारिश होगी। आईएमडी की ओर से जारी दोपहर के बुलेटिन के अनुसार, पश्चिम बंगाल और उसके आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे झारखंड की ओर बढ़ने का अनुमान है व इसके प्रभाव से 18 से 24 जून के बीच ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी और कुछ जगहों पर बेहद भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार सुबह तक ओडिशा के 30 में से 14 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

शुक्ला और तीन अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस ले जाना वाला मिशन 22 जून तक स्थगित

नयी दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाले मिशन एक्सिओम-4 को 22 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। एक्सिओम स्पेस ने बुधवार को यह घोषणा की। इस मिशन का प्रक्षेपण 19 जून को निर्धारित था। मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट से आईएसएस भेजा जाना है।

समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता: क्रोएशिया में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

जगरेब : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और क्रोएशिया इस बात पर सहमत हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं निकल सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि बातचीत और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। क्रोएशिया के अपने समकक्ष आंद्रेज प्लेंकोविक के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद मीडिया को जारी एक संयुक्त बयान में मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक योजना बनाई जाएगी। मोदी ने कहा कि उन्होंने और क्रोएशिया के उनके समकक्ष ने द्विपक्षीय संबंधों को ''तीन गुना'' गति देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''हम इस बात पर सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। आतंकवाद लोकतंत्र में विश्वास रखने वाली ताकतों के लिए दुश्मन के समान है। हम इस बात पर सहमत हैं कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदानों से नहीं पाया जा सकता है और बातचीत एवं कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है।'' उनकी यह टिप्पणी पश्चिम एशिया में इजराइल और ईरान के बीच सैन्य टकराव बढ़ने के कारण उत्पन्न स्थिति के बीच आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बैठक के दौरान दोनों देशों के नेताओं ने भारत-क्रोएशिया द्विपक्षीय संबंधों के व्यापक विस्तार की समीक्षा की और डिजिटल प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, समुद्री बुनियादी ढांचे, पर्यटन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के अवसरों को तलाशा। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पार आतंकवाद से लड़ने में भारत को निरंतर समर्थन देने के लिए क्रोएशिया का आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में पांच नक्सली गिरफ्तार

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने एक इनामी नक्सली समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने एक अभियान के दौरान सोमवार को जगरगुंडा थाना क्षेत्र में पांच नक्सलियों मुचाकी बुधरा (35), माड़वी सोमडू (30), कुंजाम बिच्चेम (25), माड़वी धुरवा (30) और डोडी सोमडू (30) को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि बुधरा के ऊपर दो लाख रुपये का इनाम है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में जारी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस को सोमवार 16 जून को जगरगुंडा थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना मिली जिसके बाद सुरक्षाबलों को क्षेत्र के पूर्वी और करीब के गांवों में रवाना किया गया।

एयर इंडिया विमान हादसा में जीवित बचे विश्वास कुमार भाई की अंतिम यात्रा में शामिल हुए

दीव : एयर इंडिया विमान हादसे में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति विश्वास कुमार रमेश बुधवार को अपने गृहनगर दीव में अपने भाई अजय की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। चेहरे पर अब भी स्पष्ट चोटों और पट्टियों के साथ विश्वास ने अपने भाई के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। विश्वास का भाई अजय 12 जून को विमान हादसे के दौरान उनके (विश्वास कुमार रमेश के) बगल में बैठे था। ब्रिटिश व्यवसायी विश्वास (40) को मंगलवार शाम अहमदाबाद के सिविल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। वह और अजय, दोनों दीव के मूल निवासी हैं, जो अपने परिवार से मिलने के बाद लंदन लौट रहे थे। सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने पुष्टि की कि बुधवार सुबह डीएनए परीक्षण के बाद अजय के शव को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी सीखने की कोई 'अनिवार्यता' नहीं: सरकार के आदेश पर विवाद के बाद फडणवीस

पुणे : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि राज्य के छात्रों के लिए हिंदी सीखने की ''अनिवार्यता'' नए आदेश में हटा दी गई है और अब किसी भी भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में चुना जा सकता है। फडणवीस ने देहू में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अंग्रेजी को व्यापक रूप से बढ़ावा दिया जाता है, लेकिन भारतीय भाषाओं की अकसर उपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि भाषाओं को लेकर विवाद अनावश्यक है। राज्य सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर कहा था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को हिंदी ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। संशोधित सरकारी प्रस्ताव (जीआर) में कहा गया है कि हिंदी अनिवार्य होने के बजाय ''सामान्य रूप से'' तीसरी भाषा होगी, तथा यदि किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 विद्यार्थी हिंदी के अलावा किसी अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उन्हें इससे बाहर रहने का विकल्प दिया गया है। कुछ मराठी समर्थक संगठनों ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह शुरू में पीछे हटने के बाद ''पिछले दरवाजे'' से नीति को पुनः लागू कर रही है।

सेना के अभियान दल ने गलवान के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए लद्दाख में दो चोटियों पर चढ़ाई की

लेह : सेना के 28-सदस्यीय पर्वतारोहण अभियान दल ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में काराकोरम पर्वतमाला पर 22,000 फुट से अधिक ऊंचे पर्वत शिखर 'माउंट शाही कांगड़ी' और 'माउंट सिल्वर पीक' पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी है। प्रवक्ता ने बताया कि ऊंची पर्वत शृंखलाओं पर चढ़ाई के लिए चयनित और विशेष रूप से प्रशिक्षित यह टीम लद्दाख के उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए 28 मई को रवाना हुई, जिन्होंने 2020 के गलवान संघर्ष के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने बताया कि 22,749 फुट ऊंचे 'माउंट शाही कांगड़ी' और 22,543 फुट ऊंचे 'माउंट सिल्वर पीक' पर सफल चढ़ाई के बाद लेह स्थित 'फायर एंड फ्यूरी कोर' के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने ऐतिहासिक पर्वतारोहण अभियान को बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रवक्ता ने कहा कि यह अभियान सैन्यकर्मियों की शारीरिक, तकनीकी और मानसिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करता है और साथ ही दूरदराज के क्षेत्रों में अधिक ऊंचाई वाले अभियानों को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि 'माउंट शाही कांगड़ी' और 'माउंट सिल्वर पीक' देपसांग मैदानों के दक्षिण-पश्चिम दिशा में स्थित हैं, जो लद्दाख के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि ये पहाड़ पूरे साल बर्फ से ढके रहते हैं और ये कठिन पर्वतीय क्षेत्र और जलवायु संबंधी मुश्किलें पेश करते हैं।

एअर इंडिया ने रखरखाव, तकनीकी और अन्य कारणों से तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कीं

मुंबई : एअर इंडिया ने रखरखाव और तकनीकी समस्याओं सहित विभिन्न कारणों से बुधवार को अपनी तीन अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। विमानन कंपनी ने बताया कि इनमें से दो उड़ानें यात्रियों के विमान में सवार होने के बाद रद्द कर दी गईं। एअर इंडिया ने बताया कि उसे 18 जून की टोरंटो-दिल्ली उड़ान एआई188 रखरखाव तथा चालक दल की ड्यूटी समय सीमा विनियामक मानदंडों से अधिक होने की वजह से रद्द करना पड़ा। कंपनी ने कहा कि जो यात्री पहले ही विमान में सवार हो चुके थे, उन्हें उड़ान रद्द होने के बाद नीचे उतार दिया गया। एअर इंडिया ने बताया कि इसके अलावा 18 जून 2025 को दुबई से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एआई996 को तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया और यात्रियों को विमान में सवार होने के बाद उतार दिया गया। विमानन कंपनी ने कहा कि दिल्ली से बाली जाने वाली उड़ान संख्या एआई2145 को रद्द कर दिया गया, क्योंकि गंतव्य बाली के निकट ज्वालामुखी विस्फोट की खबरों के कारण इसे बीच रास्ते से ही दिल्ली लौटने की सलाह दी गई थी। उसने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली वापस उतरा और सभी यात्रियों को उतार लिया गया। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों को यथाशीघ्र उनके गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को पूर्ण धन वापसी और निःशुल्क यात्रा पुनर्निर्धारण की भी पेशकश की गई है। एअर इंडिया ने कहा कि उसे बोइंग 787 बेड़े की कड़ी जांच, हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और खराब मौसम के कारण (उड़ान परिचालन में) कुछ व्यवधान की आशंका है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: डीएनए जांच से 190 मृतकों की पहचान हुई, 159 शव परिजनों को सौंपे गए

अहमदाबाद : अहमदाबाद में पिछले सप्ताह हुए एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए कम से कम 190 मृतकों की डीएनए मिलान के जरिए पहचान कर ली गई है और 32 विदेशियों समेत 159 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कुल 242 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर 12 जून को लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान एआई-171 अहमदाबाद के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में एक व्यक्ति को छोड़कर विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत हो गई थी और जमीन पर मौजूद लगभग 29 अन्य लोग मारे गए थे। अधिकारी मृतकों की पहचान स्थापित करने के लिए डीएनए जांच कर रहे हैं क्योंकि कई शव इतनी बुरी तरह से जल गए हैं कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राकेश जोशी ने संवाददाताओं से कहा, ''बुधवार सुबह तक 190 डीएनए नमूनों का मिलान किया जा चुका है और 159 शवों को पहले ही संबंधित परिवारों को सौंप दिया गया है। अन्य शवों (डीएनए नमूनों) के मिलान की प्रक्रिया अभी जारी है।''

आएसएस के युवा प्रशिक्षु स्वयंसेवक जनता की भलाई और हिंदू धर्म की रक्षा के लिए काम करें : भागवत

हमीरपुर (हिप्र) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने यहां संगठन के प्रथम वर्ष के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रहे युवा स्वयंसेवकों को जनता की भलाई और हिंदू धर्म की रक्षा के लिए काम करने की सलाह दी। आरएसएस के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि भागवत ने हमीरपुर जिले के बरसर के टिप्पर में चार दिन बिताए और आरएसएस के 21 दिवसीय प्रथम वर्ष प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया और प्रशिक्षुओं से बातचीत की। वह बुधवार को ऊना के रास्ते दिल्ली के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि भागवत ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए आरएसएस के दर्शन को रेखांकित किया, जिसकी स्थापना 1925 में हुई थी और इस साल यह अपना 100वां स्थापना दिवस मना रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि शताब्दी समारोह दो अक्टूबर को दशहरा (विजयादशमी) पर मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 30 मई से शुरू हुए इस शिविर में 212 युवा भाग ले रहे हैं, जो 19 जून तक चलेगा। आरएसएस मीडिया इकाई के अखिल भारतीय संयुक्त सचिव प्रदीप जोशी समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

योग दिवस के प्रमुख कार्यक्रम योग संगम के लिए अब तक चार लाख ने कराया पंजीकरण : आयुष मंत्रालय

नयी दिल्ली : इस महीने की 21 तारीख को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रमुख आयोजन 'योग संगम' के लिए अब तक चार लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। आयुष मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि भारत में किसी भी एक आयोजन में इतने बड़े पैमाने पर सुनिश्चित भागीदारी कभी नहीं हुई है। इसमें कहा गया है कि 21 जून को देश भर में लाखों स्थानों पर एक साथ योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा; जो भारत की आरोग्य यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण होगा। मुख्य समारोह विशाखापत्तनम में होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और केन्द्रीय आयुष एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव के साथ पांच लाख से अधिक लोग एक साथ तय योग आसन करेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सुबह 6:30 बजे से 7:45 बजे तक आयोजित योग संगम अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक योग कार्यक्रम होगा, जिसमें लाखों संस्थान, संगठन और समुदाय के सदस्य एक साथ योग करेंगे। राजस्थान, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और हिमाचल प्रदेश उन राज्यों में शामिल हैं, जहां सबसे अधिक संख्या में लोगों ने पंजीकरण कराए हैं। मंत्रालय ने कहा कि भागीदारी में यह वृद्धि इस वर्ष के विषय - 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' के प्रति व्यापक उत्साह को दर्शाती है। उसने कहा कि यह एक ऐसा संदेश है जो योग को वैश्विक स्थिरता और व्यक्तिगत कल्याण के साथ जोड़ता है।

नौसेना ने पहले पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'अर्नाला' को अपने बेड़े में शामिल किया

विशाखापत्तनम : पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आईएनएस अर्नाला को बुधवार को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। अर्नाला उथले जल के युद्धपोत श्रृंखला का पहला जहाज है और यह पानी की सतह के नीचे निगरानी, खोज और बचाव अभियान तथा कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। विशाखापत्तनम में नौसेना गोदी में अर्नाला को बेड़े में शामिल करने को लेकर आयोजित समारोह की अध्यक्षता प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने की। अधिकारियों के अनुसार जनरल चौहान ने अपने संबोधन में नौसेना के 'खरीदार नौसेना' से 'निर्माता नौसेना' के तौर पर आए उल्लेखनीय परिवर्तन को रेखांकित किया। उन्होंने इसे देश की 'समुद्री महाशक्ति बनने की आकांक्षा' की रीढ़ बताया। नौसेना ने बयान में कहा कि 77 मीटर लंबा और 1490 टन से अधिक वजन वाला यह युद्धपोत डीजल इंजन-वॉटरजेट संयोजन द्वारा संचालित होने वाला सबसे बड़ा भारतीय नौसैनिक युद्धपोत है। नौसेना के अनुसार इस समारोह की मेज़बानी पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर ने की। समारोह में वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों, प्रतिष्ठित नागरिक गणमान्य व्यक्तियों, पूर्व 'अर्नाला' के कमांडिंग अधिकारियों के साथ ही गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स व लार्सन एंड टुब्रो शिपबिल्डिंग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : सोनम और उसके 'प्रेमी' के घरों की जांच की गई, परिजनों से भी पूछताछ

इंदौर (मध्यप्रदेश) : बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की कड़ियां जोड़ने के लिए इंदौर आई मेघालय पुलिस बुधवार को मुख्य आरोपी सोनम और उसके कथित प्रेमी व सह-आरोपी राज कुशवाह के घरों में पहुंची और उनके परिजनों से पूछताछ की। सूत्रों ने बताया कि मेघालय पुलिस के जांच दल ने इस पहलू की थाह लेने की कोशिश भी की कि हनीमून के दौरान 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी की हत्या के पीछे कथित 'प्रेम त्रिकोण' के अलावा कोई और मकसद तो नहीं था? चश्मदीदों ने बताया कि मेघालय पुलिस का जांच दल सबसे पहले गोविंद नगर खारचा इलाके में सोनम के मायके पहुंचा जिसके बाद इस घर का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया गया। चश्मदीदों के मुताबिक मेघालय पुलिस का दल दो घंटे तक सोनम के मायके में रहा। बाद में मेघालय पुलिस का दल कुशवाह के घर पहुंचा और उसकी मां चुन्नी देवी से आधे घंटे तक पूछताछ की। सोनम का परिवार फर्नीचर में इस्तेमाल होने वाली सनमाइका शीट का कारोबार करता है और वह गिरफ्तारी से पहले तक अपने पारिवारिक प्रतिष्ठान का कामकाज संभाल रही थी। स्थानीय पुलिस के मुताबिक राजा रघुवंशी हत्याकांड की साजिश रचने का आरोपी राज कुशवाह हालांकि 12वीं फेल है, लेकिन वह इस प्रतिष्ठान में बतौर लेखापाल काम करता था जहां सोनम से उसकी कथित नजदीकियां बढ़ीं। सूत्रों ने बताया कि मेघालय पुलिस ने अलग-अलग सवालों के जरिये सोनम और कुशवाह के परिजनों से पूछा कि दोनों आरोपियों के बीच कैसे रिश्ते रहे हैं और क्या राजा रघुवंशी से सोनम की शादी के बाद उनके बर्ताव में कोई बदलाव आया था? सूत्रों के मुताबिक मेघालय पुलिस के दल ने सोनम के पारिवारिक प्रतिष्ठान के दफ्तर और गोदाम में भी जांच की और वहां काम करने वाले लोगों से पूछताछ की।

हनीमून हत्या : राजा से शादी से पहले सोनम ने प्रेमी को किए थे 100 से ज्यादा फोन कॉल

शिलांग : मेघालय में हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप गिरफ्तार सोनम रघुवंशी ने अपनी शादी से पहले संजय वर्मा नामक एक व्यक्ति को 100 से अधिक फोन कॉल किए थे, बाद में जांच में पता चला कि यह उसके प्रेमी राज कुशवाह का छद्म नाम था। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में कई मृतकों में बीमाधारक के साथ नामित भी; कंपनियां असमंजस में

अहमदाबाद : बीमा कंपनियों को पिछले सप्ताह अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के दावों का निपटान करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि कई मामलों में पॉलिसीधारक और उसके नामित व्यक्ति (नॉमिनी), दोनों ही इस त्रासदी में मारे गए हैं। अहमदाबाद से 12 जून को लंदन जाने वाले विमान की भयावह दुर्घटना में पूरे परिवार के खत्म हो जाने या पति-पत्नी में से किसी एक की मृत्यु हो जाने के मामले सामने आए हैं। इस विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 29 लोगों की जान चली गई थी। हादसे के तुरंत बाद, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से कहा कि वे विदेशी चिकित्सा बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना और जीवन बीमा पॉलिसियों के जारी करने संबंधी अपने आंकड़ों से मृतक के विवरण का सत्यापन करें। परामर्श में यह भी कहा गया कि यात्रियों की सूची में शामिल पुष्टिकृत मृत व्यक्तियों तथा दुर्घटना से प्रभावित इमारतों में रहने वाले व्यक्तियों के मामले में प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के कारण किसी भी दावे को अस्वीकार या विलंबित नहीं किया जाएगा। इसके बाद भारतीय जीवन बीमा निगम, न्यू इंडिया एश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, इफ्को टोकियो जनरल इंश्योरेंस, बजाज आलियांज जीआईसी और टाटा एआईए इंश्योरेंस जैसी प्रमुख बीमा कंपनियों ने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में अपनी सहायता खिड़की स्थापित की हैं। बीमा कंपनियों ने कहा कि वे प्राधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों का अपने आंकड़ों से मिलान कर रही हैं तथा सक्रिय रूप से परिवारों से संपर्क कर रहे हैं। एलआईसी के प्रशासनिक अधिकारी आशीष शुक्ला ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कंपनी को अब तक अस्पताल और उसके कार्यालयों में 10 दावे प्राप्त हुए हैं। बीमा कंपनी के अधिकारी ने कहा कि एक मामला ऐसा भी है, जिसमें बीमित व्यक्ति ने अपने जीवनसाथी को नामित किया था और दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई। इफ्को टोकियो इंश्योरेंस के मैनेजर (क्लेम) मनप्रीत सिंह सभरवाल ने भी एक ऐसे मामले का जिक्र किया जिसमें एक कंपनी के निदेशक और उनकी पत्नी (जो उनकी नामित थी) दोनों की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों का इफ्को टोकियो के साथ समूह बीमा कराया है। टाटा एआईए के क्षेत्रीय परिचालन के प्रमुख अधिकारी निश्चल बुच ने कहा कि उन्हें अब तक सात दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से एक ऐसा मामला है जिसमें मृतक ने अपने जीवनसाथी को नामित किया था और उसकी भी विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह कार्य तब कठिन हो जाता है जब बीमाकृत व्यक्ति और नामित व्यक्ति दोनों की मृत्यु हो जाती है, जैसा कि विमान दुर्घटनाओं के मामले में होता है। शुक्ला ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में, वे उत्तराधिकार प्रमाणपत्र तब मांगते हैं जब बीमाधारक और नामित व्यक्ति, दोनों की मृत्यु हो जाती है। एक विशेष मामले के रूप में, कंपनी ने अब अपवाद बनाया है। उन्होंने कहा, यदि बीमाधारक और नामांकित व्यक्ति, दोनों की मृत्यु हो गई है, तो हम श्रेणी-1 के वारिसों की तलाश करते हैं, जो आमतौर पर बच्चों जैसे रक्त संबंधी होते हैं। यदि कई बच्चे हैं, तो हम वारिसों से एक घोषणापत्र लेते हैं कि दावे का निपटान कैसे किया जाना है और कंपनी को क्षतिपूर्ति बॉन्ड जमा करना होता है। बुच ने कहा कि उनकी कंपनी की कानूनी टीम इस बात पर विचार कर रही है कि क्या उन मामलों में उत्तराधिकारियों की संयुक्त घोषणा मांगी जा सकती है, जहां बीमाधारक और नामित व्यक्ति, दोनों की मृत्यु हो गई हो।

विमान दुर्घटना स्थल से एक व्यक्ति ने 70 तोले सोने के आभूषण, नकदी एकत्र कर पुलिस को सौंपी

अहमदाबाद में 12 जून को हुई विमान दुर्घटना के बाद राहत बचाव कार्य में लगे शुरुआती लोगों में शामिल राजेश पटेल यहां से शवों और कई घायलों को एम्बुलेंस तक छोड़ने के तुरंत बाद घटनास्थल पर वापस आए तथा सुलगते हुए मलबे में खोजबीन शुरू करने लगे। पटेल (57) ने कहा कि उन्होंने घातक विमानन दुर्घटना स्थल से लगभग 70 तोले सोने के आभूषण, 50 हजार रुपये और कुछ अमेरिकी डॉलर एकत्र किए और पुलिस को सौंप दिए। दुर्घटनास्थल से मात्र 300 मीटर की दूरी पर रहने वाले पटेल ने जब जोरदार धमाका सुना और आग का गोला आसमान में उठता देखा तो वे शहर के शाहीबाग क्षेत्र में अपने रिश्तेदार द्वारा संचालित निजी अस्पताल की एक एंबुलेंस में सवार हो गए। निर्माण व्यवसाय से जुड़े पटेल ने बताया, ''बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिलने पर मैं अधिक से अधिक लोगों को बचाने की उम्मीद में वहां पहुंचा। हालांकि, हम पहले 15 से 20 मिनट तक घटनास्थल के करीब नहीं पहुंच सके। आग पर काबू पाने के बाद हमने बचाव कार्य शुरू किया।'' पटेल और अन्य स्वयंसेवकों के पास कोई 'स्ट्रेचर' नहीं था, इसलिए उन्होंने शवों और घायलों को एंबुलेंस तक ले जाने के लिए पुरानी साड़ियों, चादरों और बोरों का इस्तेमाल किया। बचाव अभियान पूरा होने के बाद पटेल ने एअर इंडिया विमान में सवार लोगों के सामान और अन्य सामग्री को बचाने का काम शुरू कर दिया। पटेल ने बताया, ''जले हुए और बिखरे पड़े 10 से 15 हैंडबैग से हमने 70 तोले सोने के आभूषण, आठ से 10 चांदी के सामान, कुछ पासपोर्ट, भगवद्गीता की एक प्रति, 50 हजार रुपये नकद और 20 डॉलर बरामद किए। हमने उन्हें बचाव अभियान की निगरानी कर रहे पुलिस के एक अधिकारी को सौंप दिया।'' मेघाणी नगर थाने के निरीक्षक डीबी बसिया के अनुसार, उनकी एक टीम को दुर्घटना स्थल से बरामद हर मूल्यवान वस्तु और सामान की विस्तृत सूची तैयार करने का काम सौंपा गया है।

शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और मैं पांचवें नंबर पर ही खेलूंगा: पंत

लीड्स: भारत के उप कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को पुष्टि की कि शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे जबकि वह कप्तान के बाद पांचवें नंबर पर खेलेंगे। विराट कोहली के संन्यास के बाद भारत को चौथे नंबर पर नया बल्लेबाज ढूंढना होगा और गिल अब इस महत्वपर्ण स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे। पंत ने कहा, ''मुझे लगता है कि अब भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि तीसरे नंबर पर कौन खेलेगा। लेकिन चौथे और पांचवें नंबर पर निश्चित रूप से फैसला हो चुका है। मुझे लगता है कि शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और मैं पांचवें नंबर पर ही खेलूंगा और बाकी हम इस पर चर्चा करते रहेंगे।' पंत ने कहा कि मैदान के अंदर और बाहर गिल के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैदान के बाहर मेरा और शुभमन का रिश्ता बहुत अच्छा है। अगर आप मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं तो यह रिश्ता आखिरकार मैदान पर भी कायम रहता है। इस बात पर मेरा हमेशा विश्वास रहा है।'' इंग्लैंड भी अपने संन्यास ले चुके दिग्गज तेज गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के बिना खेलेगा। पंत ने कहा कि इंग्लैंड की टीम में इस दिग्गज जोड़ी को नहीं देखकर राहत मिली लेकिन वह मौजूदा गेंदबाजी

आक्रमण को कमतर आंकने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से यह बहुत अच्छा लगता है, जब दोनों (एंडरसन और ब्रॉड) टीम में नहीं होते हैं। वे इतने वर्षों से इंग्लैंड के लिए खेल रहे हैं और मैं केवल दो दौरों (इंग्लैंड के खिलाफ) के लिए आया हूं। लेकिन साथ ही इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण में काफी क्षमता है।'' पंत ने कहा, ''हम किसी को भी हल्के में नहीं लेना चाहते क्योंकि हमारी टीम भी युवा है।

भारत को खुश करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, पंत ने विमान हादसे पर कहा

भारत के उप कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को कहा कि खिलाड़ी अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अपने दिमाग में रखेंगे और उन्होंने देश को खुशी देने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने का वादा किया। अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान पिछले सप्ताह उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी। पंत ने बुधवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''विमान (दुर्घटना) में जो कुछ हुआ, उससे पूरा भारत निराश है, लेकिन हम अपनी तरफ से सिर्फ यही कर सकते हैं कि हम भारत को फिर से कैसे खुश कर सकते हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रही पांच मैचों की श्रृंखला में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

सूर्यकुमार स्पोर्ट्स हर्निया के उपचार के लिए इंग्लैंड रवाना, हो सकती है सर्जरी

नयी दिल्ली: भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 'स्पोर्ट्स हर्निया' से संबंधित चोट के इलाज के लिए विशेषज्ञ से परामर्श लेने इंग्लैंड गए हैं और यदि आवश्यक हुआ तो उनकी सर्जरी भी हो सकती है। तैंतीस वर्षीय सूर्यकुमार ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 700 से अधिक रन बनाए और इसके तुरंत बाद मुंबई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट में भी खेले।

यह ज्ञात नहीं है कि क्या मुंबई टी20 लीग के दौरान उनका दर्द बढ़ गया था क्योंकि सूर्यकुमार तीन महीने तक लगातार यात्रा कर रहे थे और खेल रहे थे। इस क्रिकेटर के एक करीबी सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''सूर्या पेट के निचले हिस्से में दाहिनी तरफ स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हैं। वह परामर्श के लिए ब्रिटेन गए हैं। यदि आवश्यक हुआ तो वह सर्जरी करवाएंगे।' अपने करियर में दर्द के बावजूद कई मैच खेलने वाले सूर्यकुमार आईपीएल और मुंबई टी20 की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहते थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, ''अगस्त-सितंबर से पहले कोई टी20 क्रिकेट नहीं होने के कारण सूर्यकुमार ने सोचा कि यह सबसे अच्छा समय है जब वह अपनी चोट का इलाज करा सकते हैं और बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इससे उबरने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।'

उच्च न्यायालय ने बीसीसीआई की याचिका खारिज की

मुंबई: बम्बई उच्च न्यायालय ने अब बंद हो चुकी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोच्चि टस्कर्स केरल के पक्ष में 538 करोड़ रुपये से अधिक के मध्यस्थ के फैसले को चुनौती देने वाली भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति आर चागला ने मंगलवार को पारित आदेश में कहा कि मध्यस्थ के फैसले में कोई 'स्पष्ट अवैधता' नहीं है जिसके लिए अदालत के हस्तक्षेप की आवश्यकता हो। अदालत ने बीसीसीआई से इस राशि का भुगतान करने को कहा है। कोच्चि टस्कर्स केरल फ्रेंचाइजी को रोंदिवू स्पोर्ट्स वर्ल्ड (आरएसडब्ल्यू) के नेतृत्व वाले समूह को दिया गया था और बाद में इसे कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड (केसीपीएल) द्वारा संचालित किया गया था। टीम ने 2011 में आईपीएल में भाग लिया लेकिन अगले साल बीसीसीआई ने उनका अनुबंध समाप्त कर दिया था। यह विवाद बीसीसीआई द्वारा इस आधार पर समझौते को समाप्त करने के इर्द-गिर्द है कि केसीपीएल और आरएसडब्लू कथित रूप से अपेक्षित बैंक गारंटी प्रस्तुत करने में विफल रहे। केसीपीएल और आरएसडब्ल्यू ने 2012 में मध्यस्थता की कार्यवाही शुरू की और अनुबंध को इस तरह खत्म करने को गलत बताया गया।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बेथेल की जगह पोप को चुना

लीड्स: इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बुधवार को अपनी अंतिम एकादश की घोषणा की जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की मेजबान टीम के लाइन अप में वापसी हुई है जबकि ओली पोप को जैकब बेथेल की जगह तरजीह दी गई है। टखने की चोट के कारण पिछले दो टेस्ट से बाहर रहने वाले वोक्स को सैम कुक की जगह टीम में शामिल किया गया है जबकि गुस एटकिंसन की जगह ब्रायडन कार्स को शामिल किया गया है जो हैमस्ट्रिंग के कारण बाहर हैं। आठवें नंबर पर वोक्स को शामिल किया गया जिससे इंग्लैंड ने मजबूत बल्लेबाजी लाइन अप बरकरार रखते हुए जेमी स्मिथ को सातवें नंबर पर विशेषज्ञ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में उतारने का फैसला किया। मेजबान टीम ने अनुभव को प्राथमिकता देते हुए उप कप्तान ओली पोप को तीसरे नंबर पर रखा है और 21 वर्षीय बेथेल को बाहर कर दिया। शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने अभी तक अपने अंतिम एकादश की घोषणा नहीं की है क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद उनके नया शीर्ष क्रम उतारने की उम्मीद है।

इंग्लैंड में रोहित से अधिक कोहली की कमी खलेगी: बॉयकॉट

लीड्स: पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला में भारत को रोहित शर्मा से अधिक विराट कोहली की कमी खलेगी और दोनों के हाल ही में इस प्रारूप से संन्यास लेने से शुक्रवार से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला में मेहमान टीम की संभावनाओं को 'नुकसान' पहुंचेगा। भारत और इंग्लैंड अगले छह हफ्तों मे पांच टेस्ट खेलेंगे और नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। बॉयकॉट ने 'डेली टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, 'विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने से भारत की इंग्लैंड को हराने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचेगा। कोहली सबसे बड़ा नुकसान हैं क्योंकि वे तीनों प्रारूप में उनके

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे हैं।' उन्होंने कहा ''भारत द्वारा बहुत अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेले जाने और बहुत कम आराम किए जाने के कारण, इसका बहुत असर पड़ता है और दिमाग थक जाता है।' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कोहली की अनुपस्थिति को एक बड़ा झटका बताया। बॉयकॉट ने कहा, ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके पास कितनी प्रतिभा या अनुभव है, अगर आप मानसिक रूप से तरोताजा नहीं हैं और चुनौती के लिए तैयार नहीं हैं तो यह थका देने वाला हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'रोहित एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। अपने सर्वश्रेष्ठ समय में एक बेहतरीन स्ट्रोक खेलने वाले खिलाड़ी लेकिन उन्हें कोहली जितना याद नहीं किया जाएगा क्योंकि उनका टेस्ट रिकॉर्ड अच्छा था लेकिन असाधारण नहीं।

दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा को वाइल्ड कार्ड मिला

लंदन: दो बार की चैंपियन पेत्रा क्वितोवा विंबलडन में वापसी कर रही हैं और उन्हें इस साल के टेनिस टूर्नामेंट के लिए बुधवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया। क्वितोवा 2011 और 2014 की विंबलडन चैंपियन हैं। वह पिछली बार 2023 में इस ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में खेलीं थी। पिछले साल विंबलडन टूर्नामेंट के दौरान वह पहली बार मां बनी। कोर्ट से 17 महीने दूर रहने के बाद क्वितोवा ने फरवरी में टेक्सास के ऑस्टिन में डब्ल्यूटीए टूर में वापसी की और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 572वें स्थान पर हैं। चेक गणराज्य की क्वितोवा बुधवार को मुख्य ड्रॉ में एकल वाइल्ड कार्ड पाने वाली एकमात्र गैर ब्रिटिश खिलाड़ी रहीं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की ब्रांड दूत बनीं कंगना रनौत

नयी दिल्ली: अभिनेत्री सह राजनीतिज्ञ कंगना रनौत को बुधवार को सितंबर-अक्टूबर में यहां होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का ब्रांड दूत नियुक्त किया गया। 'फैशन' और 'क्वीन' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोरने वाली 39 वर्षीय कंगना वर्तमान लोकसभा में हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। कंगना ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''भारत के पैरा एथलीट हर दिन क्या संभव है, इसे फिर से लिख रहे हैं। मैं उनका समर्थन करने और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पैरा खेल केवल प्रतिस्पर्धा के बारे में नहीं है-

यह साहस के बारे में हैं और मुझे हमारे चैंपियन खिलाड़ियों के पीछे खड़े होने पर गर्व है।'' पीसीआई के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र झझारिया ने कहा, ''भारत के खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें नयी दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक आदर्श दूत बनाती है।'' झझारिया दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी भी हैं।

कपिल देव ने पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी करने पर कहा, अजीब लगा

नयी दिल्ली: भारत के दिग्गज ऑलराउंडर कपिल देव ने पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी करने पर बुधवार को हैरानी जताते हुए इस फैसले को 'अजीब' बताया। मेजबान इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हाल में पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया है। कपिल ने 1983 के विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ टुनब्रिज वेल्स में हुए मैच में अपनी नाबाद 175 रन की यादगार पारी के उपलक्ष्य में 'श्री सिक्सटी' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के इतर कहा, ''यह थोड़ा अजीब लगता है। क्या ऐसा भी होता है? लेकिन यह ठीक है, क्रिकेट में सब कुछ चलता है।'' उन्होंने कहा, ''आखिरकार, कोई अंतर नहीं है। क्रिकेट तो क्रिकेट है। मैदान पर क्रिकेट एक जैसा होना चाहिए।'' ट्रॉफी का नाम पहले भारत के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी

के सम्मान में रखा गया था लेकिन इसका नाम बदलने को लेकर सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों ने आलोचना की है। पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत 2007 में इंग्लैंड की धरती पर दोनों टीमों के बीच श्रृंखला के विजेता के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार के रूप में की गई थी। इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला।

पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 139 अंक टूटा

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला बुधवार को दूसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 139 अंक और टूट गया। वहीं एनएसई निफ्टी 41 अंक के नुकसान में रहा। पश्चिम एशिया में तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर पर निर्णय से पहले निवेशकों के सतर्क रुख के बीच बाजार में गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती लाभ को गंवाते हुए अंत में 138.64 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,444.66 अंक पर बंद हुआ। कमजोर शुरुआत के बाद सूचकांक सुबह के कारोबार में 81,858.97 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था लेकिन बाद में यह लाभ को कायम रखने में विफल रहा। सेंसेक्स एक समय 346.29 अंक तक टूट गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 41.35 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,812.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में सर्वाधिक 1.79 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, इंडसइंड बैंक में 5.12 प्रतिशत की तेजी आई। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति भी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण घरेलू बाजार शुरुआती बढ़त बरकरार रखने में विफल रहे। हालांकि, मांग में सुधार की उम्मीद में वाहन और सोच-विचार कर खरीदे जाने वाली उपभोक्ता वस्तुओं से संबंधित कंपनियों के शेयरों तेजी आई।''

रिलायंस इन्फ्रा ने फॉल्कन बिजनेस जेट बनाने के लिए दसॉ एविएशन के साथ किया समझौता

नयी दिल्ली : अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की इकाई रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर ने वैश्विक बाजारों के लिए भारत में फाल्कन 2000 'बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट' बनाने के लिए फ्रांस की दिग्गज कंपनी दसॉ एविएशन के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने बुधवार को यह घोषणा की। यह घोषणा पेरिस एयरशो के दौरान की गयी। यह साझेदारी भारत की वैमानिकी क्षेत्र में विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दसॉ एविएशन ने कहा कि पहली बार वह फ्रांस के बाहर फाल्कन 2000 जेट का विनिर्माण करेगी। फाल्कन 2000 जेट के लिए अत्याधुनिक असेंबली लाइन महाराष्ट्र

के नागपुर में स्थापित की जाएगी। यह भारतीय वैमानिकी और विनिर्माण उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। इस ऐतिहासिक समझौते से भारत के लिए अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के साथ अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के क्लब में शामिल होने का रास्ता साफ हुआ है। दसॉ एविएशन और रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर (डीआरएएल) के बीच संयुक्त उद्यम की स्थापना 2017 में हुई थी। परिचालन की शुरुआत उसी वर्ष नागपुर के मिहान में अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई की स्थापना के साथ हुई। संयुक्त उद्यम एविएशन के लिए फाल्कन 6द और फाल्कन 8द असेंबली कार्यक्रमों सहित फाल्कन शृंखला के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) भी बन जाएगा। यह फ्रांस के बाहर पहला ऐसा उत्कृष्टता केंद्र होगा। दसॉ एविएशन के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एरिक ट्रैपियर ने कहा, ''यह नया समझौता एक बार फिर हमारी 'मेक इन इंडिया' प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और वैश्विक वैमानिक आपूर्ति शृंखला में भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में मान्यता दिलाने में योगदान देने के हमारे दृढ़ इरादे को बताता है।

न्यूज अपडेट

इजराइल-ईरान तनाव बढ़ने से चांदी नयी ऊंचाई पर, सोने में भी 540 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली : इजरायल-ईरान संघर्ष के छठे दिन भी जारी रहने के बीच निवेशकों का सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों में झुकाव बढा है। इससे बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 1,000 रुपये बढ़कर 1,08,200 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि सोना 540 रुपये बढ़कर एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। सर्राफा संघ के अनुसार, मंगलवार को पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,07,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। शुक्रवार को चांदी ने 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम के अपने पिछले सर्वकालिक उच्चस्तर को फिर से छुआ। मेहता इक्विटीज के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, 'चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही और फरवरी, 2012 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 37 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई। रुपये में कमजोरी से घरेलू बाजारों में सर्राफा कीमतों को समर्थन मिल रहा है।'

तुर्किये की कंपनी सेलेबी की याचिका पर सुनवाई टली

मुंबई : उच्च न्यायालय ने बुधवार को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (एमआईएएल) द्वारा अनुबंध समाप्त किए जाने के खिलाफ तुर्किये की कंपनी सेलेबी की याचिका पर सुनवाई 25 जून तक के लिए स्थगित कर दी। मुंबई उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों के मामले की सुनवाई आगे टाले जाने के अनुरोध के बाद इसे स्थगित करने का निर्णय किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को तुर्किये के समर्थन को लेकर भारत में हो रही तीखी प्रतिक्रिया के बीच, भारत के विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस ने इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इसके बाद, एमआईएएल के साथ इसका अनुबंध समाप्त कर दिया गया। जमीनी रखरखाव और हवाई अड्डे से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी ने सुरक्षा मंजूरी रद्द करने और अनुबंध समाप्त करने के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया है।

जियो फाइनेंशियल ने 105 करोड़ रुपये में जियो पेमेंट्स बैंक में एसबीआई की हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली : जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने 104.54 करोड़ रुपये में जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड में भारतीय स्टेट बैंक की पूरी 17.8 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। हिस्सेदारी खरीद के साथ, जियो पेमेंट्स बैंक जेएफएसएल की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन गई है। जेएफएसएल ने बुधवार को एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी ने चार जून को भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त अनुमोदन के अनुसार एसबीआई से जियो पेमेंट्स बैंक के 7,90,80,000 इक्विटी शेयरों का कुल 104.54 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया। इस अधिग्रहण के परिणामस्वरूप, जियो पेमेंट्स बैंक कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन गई है। हिस्सेदारी खरीदने से पहले, जियो फाइनेंशियल के पास जियो पेमेंट्स बैंक में 82.17 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

इंडसइंड बैंक, जेनसोल के वित्तीय विवरणों की समीक्षा में छह माह लगेंगे: आईसीएआई

नयी दिल्ली : चार्टर्ड अकाउंटेंट के शीर्ष निकाय आईसीएआई ने बुधवार को कहा कि धोखाधड़ी से प्रभावित इंडसइंड बैंक और जेनसोल इंजीनियरिंग के वित्तीय विवरणों की समीक्षा पूरी करने और ऑडिट में खामियां पता लगाने में कम-से-कम छह महीने लगेंगे। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के वित्तीय रिपोर्टिंग समीक्षा बोर्ड (एफआरआरबी) ने दोनों कंपनियों के वित्तीय विवरणों की समीक्षा शुरू कर दी है और इसके निष्कर्षों के आधार पर संबंधित ऑडिटरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

वोडाफोन आइडिया ने उपग्रह संचार के लिए एएसटी स्पेसमोबाइल से साझेदारी की

नयी दिल्ली : कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने स्मार्टफोन पर सीधे उपग्रह से ब्रॉडबैंड सेवाएं देने के लिए बुधवार को एएसटी स्पेसमोबाइल के साथ साझेदारी की घोषणा की। एएसटी स्पेसमोबाइल एलन मस्क के स्वामित्व वाली कंपनी स्पेसएक्स की प्रतिद्वंद्वी है। स्पेसएक्स की इकाई स्टारलिंक को हाल ही में भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं देने का लाइसेंस मिला है। वोडाफोन आइडिया ने बयान में कहा कि एएसटी स्पेसमोबाइल पहला और एकमात्र अंतरिक्ष-आधारित सेल्यूलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित कर रही है। इस नेटवर्क के जरिये सीधे स्मार्टफोन से संपर्क साधा जा सकता है और इसे वाणिज्यिक एवं सरकारी दोनों इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। कंपनी ने कहा, ''वोडाफोन आइडिया और एएसटी स्पेसमोबाइल इंक ने भारत के संपर्क से वंचित इलाकों में मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की है।'' दूरसंचार कंपनी ने कहा, ''एसएटी स्पेसमोबाइल ने एक मोबाइल फोन के जरिये अंतरिक्ष से पहली बार वॉयस एवं वीडियो कॉल करके इतिहास रच दिया। यह एक मील का पत्थर है जो इसकी उन्नत प्रौद्योगिकी की असली दुनिया में व्यवहार्यता को दर्शाता है।''

कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि एवं विकास का एक प्रमुख स्तंभ: राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख स्तंभ है। भारतीय कॉरपोरेट विधि सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके निर्णय न केवल नीतियों एवं विनियमों को प्रभावित करेंगे, बल्कि इसका असर नागरिकों और निवेशकों के देश की संस्थाओं में विश्वास पर भी पड़ेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि कॉरपोरेट कानूनों के कार्यान्वयन एवं प्रवर्तन का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों के रूप में, '' आपकी भूमिका एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने के केंद्र में होगी जो पारदर्शी, जवाबदेह और नवाचार एवं उद्यमिता के लिए अनुकूल हो।'' राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए प्रशिक्षुओं से बातचीत में मुर्मू ने कहा, '' कॉरपोरेट क्षेत्र हमारे देश की आर्थिक वृद्धि एवं विकास का एक प्रमुख स्तंभ है।'' कंपनी अधिनियम 2013 का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है कि कानून को न केवल लागू किया जाए बल्कि उसे समझा

जाए, उसका सम्मान किया जाए। साथ ही इस तरह से लागू किया जाए जिससे सभी के लिए न्याय, निष्पक्षता एवं अवसर को बढ़ावा मिले। रक्षा वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन सेवा एवं केंद्रीय श्रम सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात की। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सैन्य विमानन में गुणवत्ता का मतलब सिर्फ तकनीकी विशिष्टताओं को पूरा करना नहीं है बल्कि इसका मतलब परिचालन सुरक्षा, मिशन की तैयारी, विश्वसनीयता एवं रणनीतिक श्रेष्ठता सुनिश्चित करना भी है।

ईरान-इजराइल संघर्ष: चाय निर्यातक चिंतित, परंपरागत चाय की कीमतों में गिरावट शुरू

कोलकाता : पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने चाय निर्यातकों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि ईरान को निर्यात की खेप की संभावनाओं के बारे में अनिश्चितता बनी हुई है और परंपरागत चाय किस्म की कीमतों में गिरावट के शुरुआती संकेत देखे गए हैं। चाय क्षेत्र के अंशधारकों ने यह जानकारी दी है। ईरान आमतौर पर चाय के इस किस्म का आयात भारत से करता है। उन्हें यह भी आशंका है कि निर्यातकों को ईरान को निर्यात खेप के लिए बढ़ते माल ढुलाई शुल्क और बीमा लागत के मामले में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि ईरान, इजराइल के साथ सैन्य संघर्ष की स्थिति के बीच है। भारतीय चाय संघ के अध्यक्ष हेमंत बांगुर ने कहा कि निर्यातक परंपरागत चाय खरीदने के मामले में सतर्क हैं क्योंकि वे ईरान को निर्यात करने के बारे में सुनिश्चित नहीं हैं और उस देश के आयातकों से भुगतान के बारे में भी चिंतित हो सकते हैं। बांगुर ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''निर्यातकों ने नीलामी के माध्यम से पारंपरिक चाय खरीदने के बारे में सतर्क रुख अपनाया है, क्योंकि वे

ईरान को भेजी जाने वाली निर्यात खेपों की मात्रा को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं और भुगतान को लेकर भी चिंतित हैं। इससे पारंपरिक चाय की बिक्री प्रतिशत और कीमतों में गिरावट आई है।'' पारंपरिक चाय को प्रीमियम किस्म और पैसे कमाने वाली चाय माना जाता है, क्योंकि इससे बागान मालिकों और व्यापारियों को बेहतर कीमत पाने में मदद मिलती है। भारतीय चाय निर्यातक संघ के अध्यक्ष अंशुमान कनोरिया ने पीटीआई-भाषा से कहा कि अनिश्चितता के कारण निर्यातक ईरान के लिए चाय खरीदने में झिझक दिखा रहे हैं और इससे पारंपरिक चाय की बिक्री और कीमतों पर असर पड़ा है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3271 अंक 081, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in